

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 64 | गुवाहाटी | सोमवार, 5 अक्टूबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आंध्र प्रदेश में तीन लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे पक्के घर, 3,600 करोड़ ...

पेज 2

मणिपुर : सेनापति में नागा समुदाय ने विरोध रैली निकाली, तीन मृतकों के ...

पेज 3

लघु उद्योग नाम के छोटे, लेकिन राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पेज 5

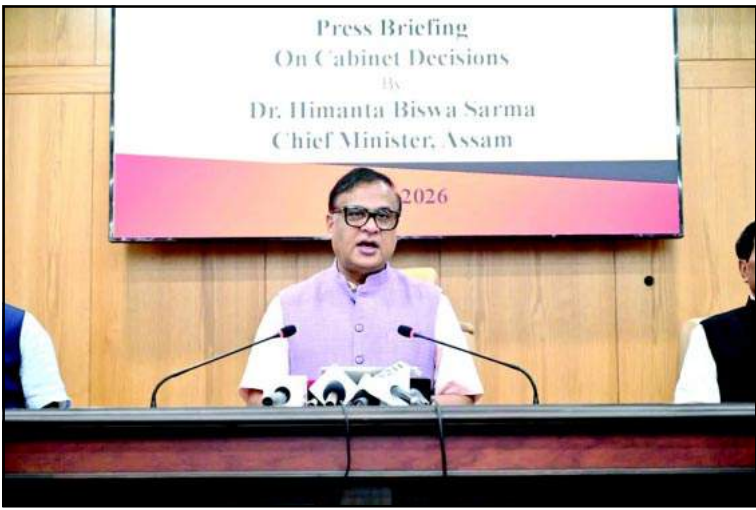
विश्व कप 2027 में हार्दिक पांड्या अहम, सोरव गांगुली ने बताया टीम संतुलन ...

पेज 7

असम मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दी

राज्य कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम कैबिनेट ने रविवार को विकास, रोजगार और प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी। अपने प्रमुख प्रस्तावों में से एक में, मंत्रिमंडल ने असम पुलिस, कमांडो बटालियन, जेल, अग्निशमन सेवा, एसडीआरएफ, वन रक्षक और उत्पाद शुल्क विभागों में कॉस्टेबल और समकक्ष पदों में से 12 प्रतिशत पद अग्निवीर योजना के तहत कार्यरत असम के स्थायी निवासियों के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया। इस योजना को अग्निपथ कहा जाता है और इस योजना के तहत चयनित युवाओं को अग्निवीर के नाम से जाना जाएगा। अग्निपथ योजना देशभक्त और उत्साही युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सशस्त्र बलों में सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। कैबिनेट द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, अग्निपथ योजना का उद्देश्य सशस्त्र बलों में युवाओं की संख्या को बढ़ाना है। यह योजना उन युवाओं को अवसर प्रदान करेगी जो वरदी पहनने के इच्छुक हैं। इसके तहत समकालीन तकनीकी रुझानों से अवगत युवा प्रतिभागियों को आकर्षित किया जाएगा और समाज को कुशल, अनुशासित और उत्साही मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।



नागरिक अवसरचरणा और सार्वजनिक उपयोगिताओं को मजबूत करने के लिए, मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सड़क (एनएच) विभाग के लिए एक अलग आयुक्त पद के सृजन को मंजूरी दी। इसने बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी), कार्बी आंगलांग स्वायत्त परिषद और दीमा हसाओ स्वायत्त परिषद में जल जीवन

मिशन योजनाओं को लागू करने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के मसौदे को भी मंजूरी दी। असम मंत्रिमंडल ने डालमिया भारत के 10,200 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। असम रजिमेंट के अवसरचरणा विकास के लिए 10 करोड़ रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता भी दी गई है। असम मंत्रिमंडल ने यह भी निर्णय लिया है कि असम सरकार

मधुपुर सत्रा को हर महीने 1 लाख रुपए देगी, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम मंत्रिमंडल ने टाटा कंसल्टेंसी को कचारी बाजार से कामाख्या तक ब्रह्मपुत्र नदी तट के विस्तार के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में आज दिसपुर में असम कैबिनेट की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए विशेष कदम उठाते हुए बोडो भूमि, कार्बी आंगलांग और डिमा हसाओ के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आज कैबिनेट ने पुरानी गाड़ियों के लिए हरित कर को लेकर खास कदम उठाया है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहन और सीएनजी वाहन को हरित कर नहीं देना पड़ेगा। दोपहिया और तीनपहिया वाहनों को हरित कर नहीं देना होगा, बाकी चारपहिया वाहनों के लिए तीन हजार रुपए हरित कर देना होगा। इसी बीच, अग्निवीरों के लिए 12 फीसदी पद

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा के लिए असम पुलिस को मोटरसाइकिलें सौंपीं



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी के दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन परिसर में असम पुलिस को 50 मोटरसाइकिलें

सौंपीं। ये मोटरसाइकिलें हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी राइड सेंफ इंडिया सीएसआर पहल के तहत दी हैं। इनका मकसद ट्रैफिक मैनेजमेंट, पेट्रोलिंग, कानून लागू करने और इमरजेंसी रिसपॉन्स सिस्टम को मजबूत करना है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान जनता भवन परिसर की सड़कों पर हेल्मेट पहनकर मोटरसाइकिल भी चलाई, जिससे सड़क सुरक्षा और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने के महत्व का एक मजबूत संदेश गया। असम पुलिस को सौंपी गई मोटरसाइकिलें पुलिसकर्मियों को भीड़भाड़ वाली सड़कों पर आसानी और तेजी से चलने में मदद करेंगी और पेट्रोलिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट और कानून

-शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा विधायक पर खंजर लेकर दौड़ा शराबी ट्रक ड्राइवर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के शोणितपुर जिले में शनिवार को नशे में धुत ट्रक चालक ने भाजपा विधायक रितु बरन शर्मा पर पर हमला कर दिया। घटना के समय बरशोला विधानसभा क्षेत्र के विधायक अपने कार्यालय के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मौजूद थे। घटना तब शुरू हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने विधायक के कार्यालय के सामने खड़ी एक गाड़ी को टक्कर मार दी। वह वाहन पार्टी के ही एक कार्यकर्ता का

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला युवक गुवाहाटी से गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। तेजपुर के सेना की गजराज मिलेटो इंटरलिजेंस (एमआई) से मिली शुरुआती जानकारी के आधार पर, असम के आईजीपी (एसटीएफ) ने शोणितपुर के एसएसपी के साथ मिलकर उस खुफिया जानकारी पर काम किया और उसे और जांच किया। यह जानकारी अभियेक कुमार सिंह द्वारा पाकिस्तान इंटरलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के निर्देशों पर कथित तौर पर की जा रही संदिग्ध राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के बारे में थी। इस खुफिया जानकारी के आधार पर, 3 और 4 अक्टूबर की रात को असम एसटीएफ



-शेष पृष्ठ दो पर

पुणे में नामघर की स्थापना से असम और महाराष्ट्र के बीच सांस्कृतिक सेतु मजबूत होगा : डॉ. शर्मा



गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने महाराष्ट्र के पुणे में नामघर की स्थापना का स्वागत करते हुए इसे असम और महाराष्ट्र के बीच भक्ति, संस्कृति और मानवता का सुंदर सेतु बताया है। मुख्यमंत्री ने रविवार

को सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की पवित्र भूमि पुणे के गुजर-निंबालकरवाड़ी में असम के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन के अभिन्न अंग नामघर की स्थापना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि नवस्थापित नामघर में गुरु आसन की स्थापना के अवसर पर रंगारंग शोभायात्रा, सत्रिया नृत्य और नाम-प्रसंग सहित विभिन्न पारंपरिक कार्यक्रम विधिवत आयोजित किए गए। इस अवसर पर माजुली स्थित श्री श्री आडनीआटी सत्र के पूज्य डॉ. पीतांबर देव गोस्वामी प्रभु की गरिमामयी उपस्थिति रही।

-शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी अधिकारियों को नहीं होगा गिरफ्तारी का अधिकार अभियोजन की सीमा बढ़ाकर 5 करोड़ करने का प्रस्ताव!

नई दिल्ली। जीएसटी कार्डिसल जीएसटी लागू करने के तरीकों को पूरी तरह बदलने जा रही है। सात अक्टूबर को जीएसटी कार्डिसल की बैठक में अगर प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो टेक्स अधिकारियों से गिरफ्तारी का अधिकार छीन लिया जाएगा। अगर किसी मामले में गिरफ्तारी जरूरी है तो इसके लिए कोर्ट का आदेश आवश्यक होगा। इसके अलावा अभियोजन की सीमा एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है, ताकि आपराधिक प्रक्रिया उन मामलों तक सीमित रहे जिनका आकार इसके लायक है। फिलहाल जीएसटी अधिकारियों को



आयुक्त स्तर के अधिकारी की पूर्व मंजूरी के बाद ऐसे गंभीर मामलों में गिरफ्तारी का अधिकार है, जिनमें कर चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट या गलत तरीके से रिफंड लेने की राशि एक करोड़

रुपए से अधिक हो। प्रस्तावों से परिचित लोगों ने बताया कि अभियोजन के प्रविधानों का दायरा भी सीमित किया जा सकता है, ताकि वस्तुओं या सेवाओं के वर्गीकरण, मूल्यांकन या इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़े सामान्य विवादों पर आपराधिक कार्रवाई नहीं हो। ऐसे मामलों में कारोबारी और कर अधिकारी एक ही लेनदेन की को अलग-अलग पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का हिस्सा हैं। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के बाद सुधारों का अगला

-शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में भाजपा सांसद के सरकारी आवास में चोरी

गटर का ढक्कन और बाथरूम की टोटी उड़ा ले गए चोर

नई दिल्ली। राजधानी के अति-सुरक्षित वीआईपी इलाके फिरोजशाह रोड स्थित राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल के सरकारी आवास में चोरों ने संध लगा दी। कोटी नंबर-18 में हुई वारदात के दौरान आरोपित घर से टैबलेट और अन्य सामान चोरी करने के साथ ही बाथरूम की टोटी तक उखाड़कर ले गए। चोरों ने घर के बाहर लगा गटर का ढक्कन भी नहीं छोड़ा। वारदात के समय सांसद और उनका परिवार दिल्ली में नहीं था। घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों



-शेष पृष्ठ दो पर

सीएम शुभेंदु का बड़ा एलान बंगाल में लागू होगा यूसीसी, छह महीने में लव और लैंड जिहाद के खिलाफ लाएंगे कानून

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। इसके साथ ही सरकार लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ भी कानून बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कानूनों को अगले छह महीने में लाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता में आयोजित विश्व हिंदू परिषद



देने के लिए एक किया जाएगा। इसे अगले दो वर्षों

(वीएचपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि उनको सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार भारतीय संस्कृति पर किसी भी तरह का हमला नहीं होने देगी और पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

-शेष पृष्ठ दो पर

सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर लौट रही एंगुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, पुत्र समेत चार की मौत

देवरिया (हि.स.)। चंडीगढ़ से सेना के जवान सुबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया आ रही एंगुलेंस रविवार सुबह सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एंगुलेंस में सवार जवान के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी, उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह और चालक जसपाल की मौत के पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार में पहले जवान की मौत और इसके बाद उनके पुत्र समेत तीन अन्य लोगों की सड़क हादसे में मौत से रुद्रपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुःख जताया है। उन्होंने सोशल



-शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में असामाजिक तत्वों ने दुर्गा पंडाल की सात मूर्तियां खंडित की

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश के तंगेल जिले के मिर्जापुर उप जिला स्थित जमुर्की पश्चिमपाड़ा में एक हिंदू मंदिर में दुर्गा पंडाल के लिए बनाई जा रही सात मूर्तियों को असामाजिक तत्वों ने तोड़कर खंडित कर दिया। मंदिर अधिकारियों और पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार रात और गुरुवार तड़के के मध्य हुई। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुर्की आर्य समिति के तत्वावधान में लगभग 85 वर्ष से मंदिर में दुर्गा पूजा मनाई जाती रही है। इस वर्ष के उत्सव की तैयारी चल



रही थी, जिसमें दुर्गा मूर्ति सहित सात मूर्तियां तैयार की जा रही थीं। पेंटिंग को छेड़कर ज्यादातर काम पूरा हो चुका था। जमुर्की आर्य समिति के अध्यक्ष प्रकाश बकाली ने कहा कि हम बुधवार रात 10:00 बजे तक मंदिर में थे। फिर हम घर चले गए। जब हम सुबह मंदिर लौटे, तो हमने मूर्तियों को खंडित पाया। हमें नहीं पता कि यह किसने किया। हमने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि कानून लागू करने वाले जिम्मेदार लोगों का पता लगाएं और उन्हें न्याय के कटघरे

-शेष पृष्ठ दो पर

जयशंकर ने यूरोप को दिया दो टूक जवाब, बोले-रूस तब भी भारत के साथ था, जब कई देश पाकिस्तान के समर्थन में थे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और रूस के रिश्तों पर बात करते हुए यूरोपीय देशों को स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हर देश अपने अनुभवों के आधार पर दूसरे देशों के साथ संबंध तय करता है। जिस तरह यूरोप रूस को लेकर भारत के नजरिये से फैसला नहीं कर सकता, उसी तरह भारत भी रूस के साथ अपने रिश्तों को यूरोप के नजरिये से नहीं देख सकता। जयशंकर ने कहा कि भारत का रूस के साथ अनुभव सकारात्मक रहा है और दोनों देशों



के बीच लंबे समय से भरोसे का रिश्ता है। जर्मनी में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने भारत और रूस के पुराने संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने 1950 के दशक की ओर इशारा करते हुए कहा कि उस दौर में पश्चिमी देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही वाली सरकार का समर्थन कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का भी जिक्र किया। जयशंकर के मुताबिक, उस समय जब अमेरिका ने भारत के खिलाफ अपने

-शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

जम्मू जेल में पाकिस्तानी कैदी की संदिग्ध हालात में मौत

जम्मू (हि.स.)। हाई-सिक्योरिटी सेंट्रल जेल में रविवार को 36 वर्षीय पाकिस्तानी विचाराधीन कैदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोथा

-शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के करमन प्रांत से 31 जासूस गिरफ्तार

तेहरान (हि.स.)। ईरान की खुफिया एजेंसी ने करमन प्रांत के सिर्जान जिले में 31 जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग चार अलग-अलग समूह में बंटे हुए थे। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के स्वामित्व वाले प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया मंत्रालय का आरोप है कि इनको अमेरिका और इजराइल का समर्थन था। इनका मकसद शहर में अशांति फैलाना और तोड़फोड़ करना था।

-शेष पृष्ठ दो पर

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon Guwahati-781001
+91-98648-02947

सुप्रभात
कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

गुवाहाटी के गोरचुक गणेश मंदिर में चोरी

गुवाहाटी (हिस)। गुवाहाटी महानगर के गोरचुक थाना क्षेत्र इलाके में स्थित गणेश मंदिर में चोरों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला रविवार की सुबह सामने आया है।पुलिस ने बताया कि बीती रात बोरगाँव के गणेश मंदिर में चोर प्रवेश कर गणेश की मूर्ति के आभूषण चुराकर फरार हो गए। चोर चांदी की मूर्ति, दान पात्र का धन सहित लगभग तीन लाख रुपए की नगद और गहने चुराकर फरार हो गए। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित गणेश मंदिर में चोरी किए जाने के बाद मंदिर परिचालन कमेटी द्वारा स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चोरी की गुथी को सुलझाने में लगी हुई है। उधर असम के मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार मवेशी चोरी और तस्करी के निरोहों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शनिवार को फकीरांज, गौरीपुर, धुबड़ी और बिलासीपाड़ा थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियानों के दौरान एक नाव के साथ ही 24 मवेशियों को बरामद किया गया।

असम मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों ...

आरक्षित किए जाने की व्यवस्था की गई है। असम के जेलों, अग्निशमन विभाग और वन रक्षक विभाग में अग्निवीरों के लिए पद आरक्षित रखा जाएगा। एसडीआरएफ के साथ-साथ अन्य बलों में कांस्टेबल के पद भी आरक्षित होंगे। असम के स्थानीय अग्निवीरों के लिए ये पद आरक्षित होंगे। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में यह भी बताया कि डालमिया सीमेंट कंपनी असम में 10,200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। डालमिया के निवेश प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। डालमिया का प्रोजेक्ट लंका और उमरांग्सो में होगा। नगर निगम के मामलों के निपटारे के लिए भी खास निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने मेघालय के असम रजिमेंट के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मधुपुर सत्र को हर महीने असम सरकार एक लाख रुपए प्रदान करेगी। मधुपुर सत्र की आर्थिक समस्याओं को दूर करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। बरडुआ की तरह मधुपुर सत्र के लिए भी बड़ी परियोजना शुरू करने की योजना सरकार ने बनाने की तैयारी की है। गुवाहाटी के रिवर फ्रंट के विस्तार के लिए भी आज के कैबिनेट ने निर्णय लिया गया है। कछरी घाट से कामाख्या तक इसके विस्तार का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में टाटा कंसल्टेंसी को रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सरकार ने दी है।

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा...

लागू करने की क्षमता को बेहतर बनाएंगी। ये मोटरसाइकिलें सड़क दुर्घटनाओं, ट्रेफिक जाम और अन्य इमरजेंसी स्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस पहल के तहत, ट्रेफिक पुलिसकर्मियों को ट्रेफिक मैनेजमेंट, सड़क सुरक्षा, कानून लागू करने और इमरजेंसी रिसर्प्स में विशेष क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण भी दिया गया है। कार्यक्रम में असम के पुलिस महानिदेशक हरमती सिंह, गुवाहाटी पुलिस कमिश्नर पार्थसारथी महंता और हीरो मोटोकॉर्फ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के उजान बाजार स्थित सती राधिका शांति उद्यान में आयोजित एक कार्यक्रम में बांस से बनी साइकिलों को औपचारिक रूप से लॉन्च किया था। गौरतलब है कि पुणे स्थित बैम्बू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बांस से साइकिल बनाने की यह अभिनव पहल शुरू की है। असम को बांस की साइकिल बनाने और टिकाऊ परिवहन के लिए देश में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस परियोजना में लगभग 15 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

भाजपा विधायक पर खंजर ...

था। विधायक रितु बरन शर्मा ने बताया कि उन्होंने और उनके कार्यकर्ताओं ने शांत रहकर ट्रक चालक से बात की और स्थिति को सुलझाने की कोशिश की। हालाँकि, नशे में होने के कारण चालक आक्रोशित हो गया। ड्राइवर ने ट्रक से एक खंजर निकाला और विधायक व उनके कार्यकर्ताओं पर हमला करने का प्रयास किया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि मौके पर मौजूद भीड़ उसे रोकने की कोशिश कर रही थी, लेकिन इसके बावजूद वह विधायक और अन्य लोगों पर झपटता नजर आया। घटनास्थल पर जुटे स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक को काबू में कर उसकी जमकर पिटाई की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस हमले में विधायक सभी बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। हालाँकि, चालक के हमले में एक होमगार्ड और पाटी के दो कार्यकर्ता घायल हो गए।

पाकिस्तान के लिए जासूसी ...

ने एक अभियान चलाया और अभिषेक कुमार सिंह (31) को गुवाहाटी के सातागांव पुलिस स्टेशन के तहत गांधीनगर में एक किएए के घर से गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण का रहने वाला है। अभियान के दौरान, उसके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपतिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए। शुरुआती जांच से जासूसी से जुड़ी गतिविधियों में उसकी कथित सलिप्तता का पता चला है, जिसमें सुरक्षा बलों से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान इंटरलैंस ऑपरेटिव (पीआईओ) तक पहुंचना शामिल है। इसके अनुसार, अभिषेक कुमार सिंह को एसटीएफ पीएस केस नंबर 09/2026 के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

पुणे में नामघर की स्थापना ...

असम और महाराष्ट्र के कई विशिष्ट लोगों की भागीदारी से उद्घाटन समारोह और भी जीवंत हो उठा। डॉ. शर्मा ने इस पहल के पीछे कार्यरत पुणे की संस्था *सरहद* तथा पुणे में रहने वाले असमिया समुदाय के लोगों की आत्मीयता और प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि ऐसी पहल दोनों राज्यों की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नए संबंधों के माध्यम से जोड़ेंगे हुए आपसी सौकर और मजबूत करेगी।

जीएसटी अधिकारियों को नहीं ...

चरण प्रशासन को सरल बनाने, अनुपालन लागत घटाने और प्रवर्तन को अधिक आणुपातिक बनाने पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। प्रस्ताव से परिचित लोगों के अनुसार, विचाराधीन व्यापक पैकेज में जीएसटी पंजीकरण आसान

आंध्र प्रदेश में तीन लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे पक्के घर, 3,600 करोड़ रुपए की मंजूरी

नई दिल्ली (हिस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के बुर्रिपालेम गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण 2.0 के तहत तीन लाख घरों की पहली किस्त सौंपने की शुरुआत की। इन घरों के निर्माण पर 3,600 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस मौके पर उन्होंने देश की पहली 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक आधारित आवास परियोजना की आधारशिला भी रखी। इस परियोजना के तहत 14 करोड़ रुपए की लागत से 177 घर बनाए जाएंगे। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश के लिए पहले 76 हजार घरों का आवंटन प्रस्तावित था। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के अनुरोध के बाद केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर तीन लाख घर कर दिया। चौहान ने कहा कि तीन लाख घरों का निर्माण पूरा होने के बाद केंद्र सरकार राज्य के

लिए तीन लाख और घर मंजूर करेगी। तीन लाख और घर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के हर गरीब परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। चौहान ने बुर्रिपालेम और ओबुलनायडुपालेम में 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग आधारित आवास परियोजना को ग्रामीण आवास के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि 14 करोड़ रुपए की इस पायलट परियोजना में आधुनिक मशीनों और 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा। इससे निर्माण समय, लागत और श्रम की जरूरत कम होगी। 177 घरों का निर्माण छह तहाने में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अमरावती के विकास के लिए भी सहयोग कर रही है। केंद्र ने आंध्र प्रदेश की एकमात्र स्थायी राजधानी के रूप में अमरावती को मान्यता देने के लिए संसद में कानून पारित किया और इसके

पूरीरे ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए उठाए सक्रिय कदम

गुवाहाटी (हिस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूरीरे) ने तकनीक आधारित प्रणाली, बेहतर निगरानी और वन विभाग के साथ निफ्ट समन्वय के जरिए ट्रेन-हाथी की टक्कर को रोकने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। जनवरी से सितंबर 2026 के बीच, पूरीरे कर्मचारियों की समय पर की गई कार्रवाई से विभिन्न मंडलों में 255 हाथियों की जान बचाई जा सकी। इनमें अलीपुरद्वार मंडल में 106, रंगिया में 14, लामडिंग में 122 और तिनसुकिया मंडल में 15 हाथी शामिल थे। पूरीरे ने संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रेन-हाथी की टक्कर को रोकने के लिए कई सक्रिय और तकनीक पर आधारित कदम उठाए हैं। इनमें डिस्टिब्यूटेड एकोस्टिक सिस्टम (डीएएस) तकनीक का उपयोग करके एआई-बेस्ड इंट्रुजन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) स्थापित करना शामिल है, जो रेल पटरी के पास हाथियों की हलचल के बारे में तुरंत अलर्ट प्रदान करता है।

फकीराग्राम में दुर्गापूजा केंद्रीय समन्वय समिति का गठन

कोकराझाड़ (हिस)। आगामी शारदीय दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से फकीराग्राम क्षेत्र में केंद्रीय दुर्गापूजा समन्वय समिति का गठन किया गया। समिति के गठन को लेकर ग्रामीण करने के लिए अधिकृत कर सकता है। प्रस्तावित बदलाव में कर अधिकारियों से यह शक्ति वापस लेने और किसी भी गिरफ्तारी के लिए न्यायिक मंजूरी जरूरी करने की बात है। इन बदलावों से सरकार का कर वसूली या वित्तीय ढंड लगाने का अधिकार खत्म नहीं होगा। *कंपाउंडिंग* के तहत निर्धारित कर, ब्याज और जुर्माना अदा कर अपराध का निपटारा किया जा सकता है। कम कर चुकाने या गलत तरीके से आइटमीसी का दावा करने वालों के खिलाफ कर वसूली और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। जीएसटी कार्डसिल ने प हले भी छोटे जुमों को अपराध की श्रेणी से हटाने, मुकदमा चलाने की सीमा बढ़ाने और कंपाउंडिंग प्रोजेजन को ज्यादा आसान बनाने पर विचार किया है। एएमआरजी ग्लोबल के प्रबंध भागीदार रजत मोहन ने कहा कि यह अप्रत्यक्ष करों के प्रवर्तन के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव होगा। इसमें गिरफ्तारी के जरिये रोकथाम के बजाय प्रौद्योगिकी आधारित पहचान और मुख्य रूप से दिवानी दायित्व पर आधारित कार्रवाई पर जोर होगा। प्रस्ताव मंजूर होते हैं तो रिटर्न दाखिल करने में देरी, वर्गीकरण से जुड़े विवाद और नकदी को कमी के कारण कर भुगतान में देरी जैसे मामलों में करदाता कर, ब्याज और आपुनातिक जुर्माना भरकर गिरफ्तारी से बच सकेंगे। प्रस्तावों में अभियोजन संबंधी प्रविधान के तहत आने वाले 24 अपराधों में सजा के प्रविधानों को नरम करना, नौ अपराधों को पूरी तरह हटाना और 11 को मौजूदा रूप में बनाए रखना शामिल है। न्यूनतम सजा का प्रविधान हटाने का भी प्रस्ताव है, जिससे अदालत के लिए कारावास की सजा देना अनिवार्य नहीं रहेगा। हर मामले में जुर्माना लगाने का विकल्प उपलब्ध होगा, जबकि मध्यम श्रेणी के अपराधों में अधिकतम सजा तीन साल से घटाकर दो साल करने का प्रस्ताव है। परिषद छोटे करदाताओं के लिए विलंब शुल्क माफ करने और जुमाने को तर्कसंगत बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकती है। नियोजता अपने कर्मचारियों को बीमा कवर देने के लिए जो प्रीमियम चुकाते हैं, जल्द ही वे उस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटमीसी) का दावा कर सकते हैं। जीएसटी परिषद सत अक्तूबर को होने वाली अपनी बैठक में इससे संबंधित एक प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। जीएसटी कानून के तहत व्यक्तियों द्वारा अपने या अपने परिवार के लिए जीवन या स्वास्थ्य बीमा पालिसी खरीदने पर जीएसटी से छूट प्राप्त है। हालांकि, जब कोई कालोबारी संस्थान अपने कर्मचारियों के लिए जीवन या स्वास्थ्य बीमा खरीदता है, तो उस पर कर लगाया जाता है और अब तक कर्पनियाँ इस पर आइटमीसी का दावा नहीं कर सकती हैं। इस समय ऐसी सभी समूह बीमा पॉलिसियों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है।

दिल्ली में भाजपा सांसद...

ने वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम बाराखंभा रोड थाना पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से सरकारी आवास में चोरी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिसर की जांच शुरू की। मामला सांसद के सरकारी आवास से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम भी बुलाया। टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि चोर घर के अंदर से टैबलेट, कुछ जरूरी सामान और बाथरूम की टोटी चोरी कर ले गए। इसके अलावा घर के बाहर लगा गटर का ढक्कन भी गायब मिला। हालांकि, चोरी गए सामान की पूरी सूची अभी तैयार नहीं हो सकी है। सांसद के परिवार के सदस्य रविवार रात तक दिल्ली पहुंचेंगे। उनके आने के बाद घर की विस्तृत जांच और सामान का मिलान किया जाएगा। इसके बाद ही चोरी गए सामान की सही संख्या और कीमत का पता चल सकेगा। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फुटेज के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपित किस रास्ते से परिसर में दाखिल हुए और वारदात के बाद किस दिशा में फरार हुए। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात में कितने लोग शामिल थे और क्या चोरी से पहले सरकारी आवास की रेकी की गई थी। गटर का ढक्कन और बाथरूम की टोटी तक चोरी किए जाने को लेकर पुलिस अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों से भी संपर्क कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन सामानों को ले जाने के पीछे आरोपितों का क्या मकसद था। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान में जुटी है।

बंगाल में लागू होगा ...

में करीब 1,000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य में धार्मिक स्थलों और उनसे जुड़े पर्यटन को विकसित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं, मंदिरों, मठों और देश की विरासत की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह किया।

तथा पूजा कार्यक्रमों के सुचारु संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सभी पूजा समितियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा स्थानीय प्रशासन और पुलिस के साथ सहयोग करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में किट कैडेंडिय दुर्गा पूजा समन्वय समिति में फकीराग्राम बीटीसी परिषद क्षेत्र के पार्षद एजमुल हक को अध्यक्ष तथा फकीराग्राम थाना प्रभारी अरजुन चंद्र दास को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में मोटू डे, प्रवीर सान्याल, शीला पॉल, पीनूप चौधरी, सुरेंद्र शर्मा, जगन्नाथ ब्रह्म, समीर भद्र, दिपाकर मंडल, रेणु चंदा, कार्तिक काहर, तुलसी चक्रवर्ती और संजय सरकार सहित अन्य लोगों

पृष्ठ एक का शेष

और *विभाजनकारी ताकतों* के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की। समान नगरिक संहिता के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि पश्चिम बंगाल भी उत्तराखंड और गुजरात की तरह यूसीसी लागू करेगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि सरकार को छह महीने का समय दें, इसके बाद लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। राज्य सरकार ने यूसीसी के मसौदे की जांच के लिए सुप्रिीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता के एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है। सरकार की अधिवृत्ताना के मुताबिक, प्रस्तावित पश्चिम बंगाल यूसीसी विधेयक में विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में सभी समुदायों के लिए नगरिक कानूनों को एक समान करने का प्रावधान है। यूसीसी भाजपा के 2026 के विधानसभा चुनाव के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल था। सीएम ने पिछली तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार के पतन के कई कारण थे, लेकिन हिंदुओं की भावनाओं, संगठनों, देवी-देवताओं और परंपराओं को बार–बार ठेस पहुंचाना प्रमुख कारणों में शामिल था। उन्होंने दावा किया कि लोगों ने लंबे समय तक यह सब सहन किया और बाद में पाटी को सता से बाहर कर दिया। सीएम शुभेंद्रु अधिकारी ने आने वाले धार्मिक आयोजनों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवंबर में नेताजी इंडोर स्टेडियम में 20 हजार लोग सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। वहीं, 29 दिसंबर को 10 लाख लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अगले साल होने वाले गंगासमार मेले की तैयारियां भी शुरू कर चुकी है। मेले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी का जा रही है।

सैनिक का पार्थिव शरीर ...

मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, देवबिया जिले के रदपुर कोतवाली क्षेत्र के गहिला-दुधैला गांव निवासी सत्यवान सिंह (50) सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) के पद पर मेरठ में तैनात थे। शुक्रवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेना की ओर से उन्हें गाई ऑफ ऑनर देकर अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस से पैतृक गांव रदपुर लाया जा रहा था। बताया गया कि एंबुलेंस में चालक जसपाल के अलावा सत्यवान सिंह के पुत्र राहुल सिंह, रदपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी और उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह सवार थे। रविवार सुबह सुलतानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार और परिचितों में कोहराम मच गया। जिस परिवार में कुछ ही घंटे पहले सत्यवान सिंह के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, उसी परिवार को उनके पुत्र राहुल सिंह की मौत की खबर ने झकझोर दिया। परिवार के तीन अन्य सदस्य निजी वाहन से एंबुलेंस के पीछे आ रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही वे घटनास्थल की ओर खाना हुए। हादसे में जान गंवाने वाले राम सुमित सिंह रदपुर क्षेत्र के तरसाड़ा झकघर में बड़े बाबू के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन की खबर मिलते ही डाक विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में शोक छा गया। वहीं, रदपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी की मौत की सूचना से नगर पंचायत क्षेत्र में भी मातम पसर गया। एक ही हादसे में चार लोगों की मौत की खबर फैलते ही रदपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मृतकों के परिजनों के घर पहुंचने लगे। पूरे क्षेत्र में शोक और मातम का माहौल है। लोग इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध हैं। इस घटना ने एक परिवार को एक साथ कई अपनों के खोने का ऐसा दर्द दिया है, जिसने पूरे रदपुर क्षेत्र को झकझोर दिया है। जवान के अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच हुई इस दुर्घटना से गांव और आसपास का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया है। हलियापुर थाना के उपनिरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने बताया कि देवबिया जिले के रदपुर क्षेत्र निवासी सत्यवान सिंह का निधन होने के बाद उनका पार्थिव शरीर चंडीगढ़ से लखनऊ के रास्ते देवबिया ले जाया जा रहा था। इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

रूस तब भी भारत...

युद्धोपत भेजने का फैसला किया था, तब सोवियत संघ ने भी अपनी नौसेना भेजी थी। इन घटनाओं ने भारत और सोवियत संघ के बीच भरोसे को मजबूत किया। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस की साझेदारी समय के साथ और मजबूत हुई। 1970 और 1980 के दशक में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा। इसमें सैन्य सहयोग, परमाणु क्षेत्र और व्यापार शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के संबंध समय के साथ बदलते रहे हैं। आज भी सैन्य हथियार और परमाणु क्षेत्र से जुड़ी सामग्री दोनों देशों के सहयोग का हिस्सा है, लेकिन उन उनके बीच बड़े पैमाने पर व्यापार भी होता है। रूस आज भी भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। रूस से तेल खरीदने का लक्ष्य इनकी संख्या बढ़ाकर

फ्लाईदुबई अटैक से खुश अल-कायदा की धमकी जंग अभी खत्म नहीं हुई, अभी और होंगे 9/11 जैसे हमले

दुबई। फ्लाईदुबई के विमान में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हुए हमले की जांच के बीच इस मामले ने नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। अल-कायदा समर्थक एक प्रकाशन ने फ्लाईदुबई उड़ान के हमले की प्रशंसा करते हुए अमेरिका और इजराइल से जुड़े विमानों को निशाना बनाने के लिए ऐसे ही हमलों की अपील की है। रिपोर्टों के मुताबिक, इस प्रकार सामग्री में 11 सितंबर 2001 के हमलों का भी संदर्भ दिया गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह अपील अल-कायदा समर्थकों द्वारा जुलाई में शुरू किए गए साप्ताहिक प्रकाशन *अल-बयान* के नवीनतम अंक में सामने आई। इसमें 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेडा073 में हुए कॉकपिट हमले का उल्लेख किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रकाशन ने इस घटना को प्रचार के तौर पर पेश करते हुए अमेरिका और इजराइल से जुड़े विमानों के खिलाफ इसी तरह की हिंसक कार्रवाई करने के लिए उकसाया। सामग्री में 9/11 के हमलों की

तस्वीरों के साथ फ्लाईदुबई घटना का संदर्भ भी जोड़ा गया। इस सामग्री को अल-कायदा समर्थक टेलीग्राम चैनलों पर भी प्रसारित किए जाने की खबर है, हालांकि बाद में वह सामग्री वहां से हटा दी गई। फ्लाईदुबई विमान में हमले के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल से बातचीत में उन्होंने बताया कि उड़ान सामान्य रूप से चल रही थी। इसी दौरान को-पायलट ने प्रार्थना करने की बात कही। स्मित ने बताया कि उन्होंने सम्मानवश अपना ध्यान सामने की ओर किया। इसके कुछ ही देर बाद उनके सिर के पीछे जोरदार चोट लगी। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद विमान में कोई बड़ी तकनीकी गड़बड़ी हुई है, लेकिन लगातार हमले के बाद उन्हें समझ आया कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा व्यक्ति हो उन पर हमला कर रहा है। चोटों के कारण उनकी नजर धुंधली हो गई और उन्हें विमान के तेजी से नीचे जाने का अहसास हुआ। इसके बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे।

अध्यक्ष, जबकि बापन सरकार एवं अन्ना कर्मकार को उपाध्यक्ष बनाया गया। अमिताभ साहा को महासचिव तथा प्रदीप एन देव को सांस्कृतिक सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। विसर्जन समिति के कार्यकारिणी सदस्यों में पवित्र देवनाथ, शंकु भद्रो, किशोर मिश्रा, बिष्णु राम शर्मा, संजय चौधरी, देबाशीष पाल, सुजन देवनाथ, सुदर्शन कानू, राजीव डे, राजू सरकार, प्रदीप दाता, आनंद सान्याल, अमिता डे तथा नारायण कुमार नाथ सहित अन्य लोगों को शामिल किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि दुर्गापूजा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और सौहार्द का पर्व भी है।

उठाते रहे हैं। जयशंकर पहले भी इस मुद्दे पर भारत का पक्ष रख चुके हैं और यूरोपीय देशों के रवये पर सवाल उठा चुके हैं। इसी विवाद के बीच अमेरिका ने भारत पर शुल्क भी लगाया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को अशुचित और बेबुनियाद बताया था। भारत का पक्ष रहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और जरूरतों के आधार पर फैसले लेता है। इतना ही नहीं, विश्व मशीन एस जयशंकर ने अमेरिका और चीन की चाल पर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया के देशों को संतुलन बनाकर चलना होगा। न्यूनिख लीडर्स मीटिंग में उन्होंने कहा कि उभरती आने मध्यम ताकतों को किसी एक खेमे के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने हितों के हिसाब से फैसले लेने चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में दो बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। पहला, अमेरिका की रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। अमेरिका एक तरह से जानबूझकर अकेले चलने वाली ताकत बन गया है। दूसरा बदलाव चीन का बढ़ता प्रभाव है। उन्होंने कहा कि इन दोनों देशों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि देशों के बीच बढ़ती निभरता के दौर में आर्थिक ताकत का इस्तेमाल भी प्रभाव बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी सौदे में किसके पास ज्यादा ताकत होती है? सामान बेचने वाले के पास, खरीदने वाले के पास या उस देश के पास जो उत्पादन और बाजार पर ज्यादा नियंत्रण रखता है? उन्होंने कहा कि जिस देश की अलग-अलग क्षेत्रों में पकड़ मजबूत होगी और जो अपने हितों को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध होगा, वह अपनी ताकत का बेहतर इस्तेमाल कर सकेगा। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा का जिक्र करते हुए जयशंकर ने *गोल्डलीनस थिंकि* की बात कही। उन्होंने कहा कि आप नहीं चाहते कि हालात बहुत ज्यादा गर्म हों, आप यह भी नहीं चाहते कि वे बहुत अच्छे हों। आप चाहते हैं कि स्थिति सही तामााम पर, यानी बीच में रहे। उनसे मुताबिक, दुनिया को ऐसा संतुलन बनाए रखने की जरूरत है, जिससे दो बड़ी ताकतों के बीच प्रतिस्पर्धा से वैश्विक व्यवस्था अस्थिर न हो।

बांग्लादेश में असामाजिक ...

में पाई। इस घटना के बाद तंगेल के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद शम्सुल आलम सरकार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और हिंदू समुदाय के सदस्यों को आशवासन दिया कि अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। चिन्मय दास की रिहाई की मांग: न्यूज एज बांग्लादेश की रिपोर्टों के अनुसार, शनिवार को भारत के कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन के पास लगभग 100 लोगों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। वे हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग कर रहे थे। वह 2024 से बांग्लादेश की जेल में बंद हैं। प्रदर्शनकारियों ने विवेकानंद मिशन सेवा प्रतिष्ठान और नेशनल स्पिटिजन पाटी ऑफ इंडिया के बैनर तले सियालदह रेलवे स्टेशन से बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन तक जुलूस भी निकाला। कोलकाता में बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन से मिले संदेश के अनुसार, पुलिस ने मिशन के पास जुलूस को रोक दिया और पांच प्रतिनिधियों को चांसरी तक ले गई, जहां चांसरी के प्रमुख और दूसरे सचिव ने ज्ञापन स्वीकार किया। संदेश में कहा गया है कि ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा के लिए अतिरिक्त फंड देने और छुट्टी को पांच दिन तक बढ़ाने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को धन्यवाद किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार से दुर्गा पूजा और उसके बाद भी हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया, साथ ही न्याय और चिन्मय कृष्ण दास की जल्द रिहाई की मांग की।

जम्मू जेल में पाकिस्तानी...

निवासी शाहिद इमरान को अक्तूबर, 2024 में जम्मू के मकवाल सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास गिरफ्तार किया गया था। उसे कोट भलवाल जेल में रखा गया था। मानसिक बीमारी से जूझ रहे कैदी को उसकी कोठरी में बेहोशी की हालत में पाया गया। शुरुआती जांच से पता चला कि उसने आत्महत्या की कोशिश की थी। उसे तुरंत जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मृतक की गर्दन पर फंदे का निशान था। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया गया है।

ईरान के करमन ...

खुफिया मंत्रालय के अनुसार, इन लोगों ने किशोरों और नौजवानों को अपने जाल में फंसाने की योजना बनाई थी। वे बड़ी संख्या में पेट्रोल बम तैयार कर चुके थे। इनका इस्तेमाल शहर के सीसीटीवी और कैमरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाना था। कैमरे खराब करके वे सड़कों पर आर्शाति फैलाने और तोड़फोड़ करने की तैयारी कर रहे थे। इन पर जनवरी में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया है। इन प्रदर्शनों में हजारों लोगों का जल चली गई। ईरान सरकार ने इन पर धन्यशी ताकतों से जुड़े होने का आरोप लगाया है। प्रेस टीवी के मुताबिक खुफिया मंत्रालय ने इनके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है ताकि कोई और घटना न हो।

घिलामरा में दर्दनाक हादसा नाव पलटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबकर मौत लखीमपुर (हिस)। असम के लखीमपुर जिले के घिलामरा इलाके में रविवार को मेरबिल आर्दभूमि में एक देशी नाव के पलट जाने से एक ही परिवार के तीन लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्य देशी नाव से आर्दभूमि में जा रहे थे, इसी दौरान नाव अचानक पलट गई और उसमें सवार लोग पानी में गिर गए। हादसे में परिवार के तीन सदस्य पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों ने बचाव अभियान शुरू किया। मृतकों की पहचान तथा हादसे के कारणों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

गुवाहाटी के प्रत्येक वार्ड में बनेंगे पुस्तकालय, कुल 60

पुस्तकालयों की योजना
गुवाहाटी (हिस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटीवासियों के लिए 60 नए पुस्तकालयों की स्थापना की योजना की आज जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बताया कि गुवाहाटी के प्रत्येक वार्ड में एक-एक पुस्तकालय स्थापित करने की दिशा में काम आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, गुवाहाटी नगर निगम और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त प्रयास से इन पुस्तकालयों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पुस्तकालय ज्ञानार्जन, चिंतन और रचनात्मक गतिविधियों के नए केंद्र के रूप में विकसित होंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि एक अच्छी पुस्तक और एक अच्छा पुस्तकालय समाज को अधिक जागरूक और ज्ञानवान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी के प्रत्येक वार्ड तक पुस्तकालय की सुविधा पहुंचाने की यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

मणिपुर के कांगपोकपी में कथित अपहरण के बाद जंगल में एक कुकी व्यक्ति मृत पाया गया

इंफाल। खबरों के मुताबिक, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में अपने खेत से कथित तौर पर अपहरण किए जाने के बाद शनिवार से लापता 71 वर्षीय कुकी व्यक्ति रविवार को पास के एक जंगल में मृत पाया गया। खरीदनाएमएपीएस मृतक की पहचान हेमजांग हाओकिप के रूप में हुई है, जो लेइमाखोंग के पास खुनखो कुकी गांव का निवासी था। आरोप है कि उसकी खेत की झोपड़ी में आग लगा दिए जाने के बाद वह लापता हो गया था। खुन्खो कुकी ग्राम प्रशासन ने बताया कि उसे कथित तौर पर उसके खेत की झोपड़ी से एनएससीएन-आईएम के सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा अगवा कर लिया गया था। हाओकिप का शव दोपहर करीब 2–30 बजे एस. गोलाई

इलाके से पुलिस कर्मियों, केंद्रीय सुरक्षा बलों और स्थानीय निवासियों की संयुक्त तलाशी टीम द्वारा बरामद किया गया। सुबह इलाके की तलाशी के दौरान बुजुर्ग किसान की पतलून, कमीज और स्वेटर मिलने के बाद उनकी तलाश तेज कर दी गई। खरीदनाएमएपीएस बाद में सुरक्षा बलों ने खोड़ी कुत्तों को लाया, जिन्होंने तलाशी दल को उस वन क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद की जहां शव मिला था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हाओकिप के शरीर पर गोली लगने के कोई स्पष्ट निशान नहीं थे, और उन्होंने यह भी कहा कि संभवतः उसे बांधने से पहले उसके साथ मारपीत की गई थी। हालांकि, उनकी मृत्यु के सटीक हालात और मृत्यु के कारण का अभी तक आधिकारिक तौर पर पता नहीं

चल पाया है। हाओकिप के कथित अपहरण के कारण इलाके में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें कुकी-जो समुदाय की महिलाओं ने लेइमाखोंग बाजार में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया और उनकी सुरक्षित रिहाई की मांग की। उनकी पत्नी ने भी प्रदर्शन में भाग लिया और उनके लापता होने के बारे में बात की। खरीदनाएमएपीएस इससे पहले, खुन्खो कुकी ग्राम प्राधिकरण ने कथित अपहरण की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक निरर्थक धरना नागरिक के खिलाफ लक्षित हिंसा का कृत्य और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया था। इसने राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से घटना की तत्काल जांच करने और दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने का आग्रह किया।

विश्व मानसकि स्वास्थ्य दिवसर पर 11 को ग्रेट जीपीसी रन 2026 का आयोजन



गुवाहाटी। गुवाहाटी के सड़कों पर दौड़ो के लिए ट्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार एवं मीडिया पेशेवर तैयार हैं। आगामी 11 अक्तूबर, रविवार को सुबह सूरुसजाई स्थित भोगेश्वर बरुवा खेल परिसर से राष्ट्रीय राजमार्ग पर 5 किलोमीटर लंबी *ग्रेट जीपीसी रन 2026* का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाभार्ग दो सी पुष्प एवं महिलाएं हिस्सा लेंगे। इस आयोजन का मुख्य

उद्देश्य पत्रकारों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, एकता, सौहार्द और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रेस क्लब की पहल पर पहली बार आयोजित इस ओपन जीपीसी रन में विभिन्न क्षेत्रों से कई विशिष्ट आमंत्रित अतिथि भी हिस्सा लेंगे। इस दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए नि:शुल्क पंजीकरण प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। सभी से इस आयोजन में उपस्थित रहना का आह्वान करते हुए गुवाहाटी प्रेस क्लब के खेल सचिव दीपकर दास ने कहा कि पत्रकार समुदाय के स्वास्थ्य, एकता और मानसिक कल्याण के लिए यह प्रयास एक नई दिशा प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाणपत्र सहित आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

मणिपुर : सेनापति में नागा समुदाय ने विरोध रैली निकाली, तीन मृतकों के लिए न्याय की मांग की



भी भेजा गया था। गैर-लाभकारी संगठन ने राज्य सरकार को अपनी मांगों पर लिखित जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया है और चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन की और तेज किया जाएगा। अपनी प्रमुख मांगों में से एक यह भी है कि इस घटना की जांच के लिए कम से कम पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के रैंक के एक पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का तत्काल गठन किया जाए। इस संगठन ने 30 दिनों

के भीतर जांच पूरी करने और 45 दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने की मांग की है। साथ ही, गैर-लाभकारी संगठन ने यह भी मांग की है कि पीड़ितों के परिवारों और संगठन के साथ 15 दिनों के भीतर अंतरिम स्थिति रिपोर्ट साझा की जाए। ज्ञापन में तीनों मृतकों के परिजनों को कम से कम 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की गई है। इसमें घायल बचे अदानी मानियो के लिए व्यापक चिकित्सा और वित्तीय सहायता के साथ-साथ मृतकों के अंतिम संस्कार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के लिए सरकारी सहायता

बिना संघर्ष के जीत हासिल करेगा एनडीए : देवाशीष शर्मा

गुवाहाटी (हिस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रविवार को एनडीए उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने दावा किया कि इस चुनाव में कोई संघर्ष नहीं है और भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन आसानी से जीत हासिल करेगा। उन्होंने विकास के हित में मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। शर्मा ने लाहोरीघाट विधानसभा क्षेत्र के मैराबारी सार्वजनिक पुस्तकालय में दोपहर तीन बजे आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निर्वाचित होने के बाद वह नगांव लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा नगांव लोकसभा क्षेत्र के लोगों की ओर बढ़ाए गए मित्रता के हाथ को स्वीकार करने का भी आह्वान किया। भाजपा समर्थित गठबंधन की चुनावी सभाओं में कम भीड़ होने संबंधी असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शर्मा ने उन्हें अपने चश्मे का लेंस बदलने की सलाह दी। एनडीए उम्मीदवार ने कहा कि चर-चापोरी क्षेत्रों की नई पीढ़ी में उम्मीद जगाने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कांग्रेस केवल नगांव में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में धीरे-धीरे अपना जनाधार खो रही है। संवाददाता सम्मेलन में भाजपा की मोदीगर्ग पुलिस इकाई के अध्यक्ष राम प्रसाद सरकार सहित पार्टी के कई स्थानीय नेता उपस्थित रहे।



प्रचार के अंतिम दिन नगांव में 2,309 बूथों पर भाजपा की पदयात्रा

गुवाहाटी (हिस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन रविवार को पूरे लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने 2,309 बूथों पर पदयात्रा का आयोजन किया। इस दौरान हजारों पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और मतदाता हाथों में भगवा झंडे लेकर सड़कों पर उतरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, भाजपा तथा एनडीए प्रत्याशी देवाशीष शर्मा के समर्थन में नारे लगाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री जयंत मल्लबरुवा और शशिकान्त दास ने राहा में पदयात्रा में हिस्सा लिया। एनडीए प्रत्याशी देवाशीष शर्मा ने मैराबाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री रवीन्द्र राजू नगांव शहर में मौजूद रहे। विधायक प्रद्युत बदलै ने वोटाईपाथरी और ननै में, पल्लवक दिप्तरंजन शर्मा ने सामागुड़ी में तथा विधायक रमाकान्त देउरी और पल्लव लोचन दास ने मोरीगांव में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विधायक रूपक शर्मा ने युवा मोर्चा की बाइक रैली में भाग लिया। मंत्री पीयूष हजरिका ने लाहरीघाट और जागीरोड विधानसभा क्षेत्रों में कई चुनावी सभाओं को संबोधित कर देवाशीष शर्मा के पक्ष में प्रचार किया। भाजपा की ओर से जारी वचन में कहा गया कि बुध स्तर पर आयोजित पदयात्राओं में पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भागीदारी रही। पार्टी ने इसे अपने चुनावी अभियान के अंतिम दिन व्यापक संगठनात्मक गतिविधि के रूप में बताया।



गौरव गोगोई की चुनावी सभा में एआईयूडीएफ जिंदाबाद के नारे

गुवाहाटी (हिस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई की चुनावी सभा में एआईयूडीएफ के समर्थन में नारे लगाए जाते का मामला सामने आया है। सभा के दौरान कथित रूप से *एआईयूडीएफ जिंदाबाद* के नारे लगाए गए। इसके बाद कुछ लोगों द्वारा कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कार्यक्रम स्थल पर रखी कुर्सियों को तोड़े जाने का भी दावा किया गया है। घटना को लेकर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार, कांग्रेस के नेता चुनावी वैतरणी पार करने के उद्देश्य से रात में लाहरीघाट के विधायक आशिष नजर के आवास पर पहुंची थी और स्थानीय मौलवियों से समर्थन हासिल करने का प्रयास किया गया था। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। उल्लेखनीय है कि नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए 6 अक्तूबर को मतदान होना है और रविवार को प्रचार का अंतिम दिन है।

गुरुकुची में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव का 578वां आविर्भाव महोत्सव

रंगिया (विभास)। गुरुकुची पश्चिम सितारा प्राथमिक शाखा के तत्वावधान में आज गुरुकुची पश्चिम सितारा गांव के नामघर प्रांगण में जगतगुरु महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव का 578वां आविर्भाव महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। दिनभर चले धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समृद्ध इस पवित्र उत्सव में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में धार्मिक परंपराओं के अनुसार विशिष्ट भक्त दशरथ दास बाप ने नाम-प्रसंग का संवादन किया। इसके पश्चात निशामणि शालै के नेतृत्व में आए भक्त समूह ने मनमोहक *दीहानाम* प्रस्तुत कर संपूर्ण नामघर परिसर में भक्तिमय बना दिया। संध्याकालीन कार्यक्रम में जीतेन शालै बाप, कल्पराम डेका और वरिष्ठ पत्रकार दिनेश अगरवाला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इसके उपरांत अच्युत्यानंद दास बाप ने श्रीमद्भावगत का पाठ किया और धार्मिक व्याख्या प्रस्तुत करते हुए दिनभर के सफल आयोजनों का समापन किया। समारोह के अंत में गुरुकुची पश्चिम सितारा प्राथमिक शाखा के अध्यक्ष जीतेन डेका और सचिव नृपेन शालै बाप ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति सादर प्रणाम व्यक्त करते हुए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।



कोकराझाड़ में दो युवकों पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, हालत गंभीर, इलाके में तनाव

कोकराझाड़ (विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले के दोतमा थाना अंतर्गत मुंशीरघोप गांव में शनिवार रात एक अज्ञात हमलावर ने दो युवकों पर धारदार हथियार से अचानक जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वारदात के बाद से इलाके में भारी तनाव का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित मून शेख और अबुल हुसैन शनिवार रात करीब 7 बजे मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में मुंशीरघोप स्थित एक पान की दुकान पर वे रुके ही थे कि तभी एक अज्ञात उपद्रवी ने उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। अचानक हुए इस हमले में दोनों युवक लहलुहान होकर वहीं गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को दोतमा अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की



गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में उपजे तनाव को देखते हुए ऑल बोडोलैंड माइतारिटी स्टूडेंट्स यूनियन के केंद्रीय महासचिव जाइदुल इस्लाम ने जिला पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने पुलिस से आरोपी की शीघ्र पहचान कर उसे

गिरफ्तार करने और कठोर कानूनी कार्रवाई करने की अपील की। इसके साथ ही, जाइदुल इस्लाम ने आम जनता से अपील की कि क्षेत्र की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा क्षेत्र में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की है, ताकि आसामाजिक तत्व इस घटना की आड़ में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ न सके। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।



आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने और वित्तीय सहायता का उत्पादक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए निरंतर समन्वय जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पर्याप्त मानव संसाधन एवं आर्थिक क्षमता मौजूद

है, जिसे बेहतर वित्तीय पहुंच और उचित संस्थागत सहयोग के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। ऋण मेले में प्राथमिकता क्षेत्र के तहत कुल 50.27 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई। इसमें असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एसएसआरएलएम) के तहत 27.07 करोड़ रुपए, कृषि क्षेत्र में 5.28 करोड़ रुपए, डीआईसीसी के तहत 2.43 करोड़ रुपए, मत्स्य पालन एवं पशुपालन क्षेत्र में 1.20 करोड़ रुपए, पीएम सूर्य घर योजना के तहत 2.44 करोड़ रुपए तथा मुद्रा, पीएम स्वनिधि एवं अन्य प्राथमिकता क्षेत्र की योजनाओं के तहत 11.86 करोड़ रुपए शामिल हैं। वहीं, गैर-प्राथमिकता क्षेत्र के तहत 22.94 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए। इस प्रकार प्राथमिकता एवं गैर-प्राथमिकता दोनों क्षेत्रों को मिलाकर ऋण मेले में कुल 73.21 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए। इस अवसर पर बीटीसी प्रमुख हयामा महिलारी ने विभिन्न लाभार्थियों के बीच ऋण स्वीकृति के चेक भी वितरित किए।

संपादकीय

बांग्लादेश की बचकानी हरकत

बचकानी

हरकत देश को प्रतिष्ठा पत्रिका 'इंडिया टुडे' की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक तरफ भारत जहां बांग्लादेश के साथ अपने वृत्नीतिक संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास कर रहा है, वहीं बांग्लादेश की सरकार अपने एक शहर बोगुरा में तुर्विं के सहयोग से ड़ोन की पैकरी लगाने के लिए उत्सुक है। बोगुरा शहर सिलीगुड़ी कारोडोर से मात्र 75 से 120 किमी की दूरी पर है। भारत तुर्विं के शत्रु भाव से इसलिए सतर्ब रहता है क्योंकि आपरेशन सिंदूर के वक्त उसने पाकिस्तान को ड़ोन देकर उसकी पूरी मदद की थी। दरअसल बांग्लादेश चाहता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए उसके प्रस्ताव को मान ले। किन्तु भारत ने दो टूक इस बात को मानने से इन्कार कर दिया है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के मुताबिक राजनीतिक आश्रय प्राप्त किसी भी राजनेता का प्रत्यर्पण संभव नहीं है। इसके लिए भारत और बांग्लादेश के बीच किसी भी संधि में इस बात का उल्लेख नहीं है कि दोनों देशों के किसी भी ऐसे नेता का प्रत्यर्पण किया जा सकता है जो राजनीतिक आश्रय प्राप्त किया हो। इसके अलावा भूराजनीतिक वृत्नीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत अपने रणनीतिक हितों के विपरीत जाकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण को अनुमति देने वाला नहीं है जब तक कि इस बात का पूरी तरह विश्वास न हो जाए कि उनके उनके जीवन को कोई खतरा अब बांग्लादेश में नहीं है। भारतीय वृत्नीतिक बातचीत में भारतीय नीति निर्धारकों ने बांग्लादेश के नेताओं को दो टूक जबाब दे दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जब तक खुद नहीं जाना चाहेगी, तब तक नई दिल्ली उनसे देश छोड़ने के लिए नहीं कहेगा। भारत यह भी जानता है कि बांग्लादेश ने तुर्विं के साथ ड़ोन निर्माण कम्पनी का ज्वाइंट वेंचर 2022 में ही डील कर चुका है और इसी तहत वह बायरक्तारा 82 ड़ोन का इस्तेमाल मौजूदा वक्त में कर भी रहा है। इसके अलावा बांग्लादेश की सेना के पास वर्तमान में टीआरजी-300 ड़ोन है भी। खबरों के मुताबिक उसी वक़्त बांग्लादेश सरकार ने टीबी-2 एयर प्रेम पाट्रस सेंसर हाउसिंग और ग्राउंड वंटोल माइल को स्थानीय स्तर पर बनाने के लिए बातचीत कर रहा था, जिसमें तुर्विं के इंजीनियर बांग्लादेशी इंजीनियरों को प्रशिक्षित कर रहे थे। यही नहीं बांग्लादेश ने महत्वाकांक्षा पात्रा पखी है वह तुर्विं के साथ ड़ोन निर्माण में उसी तरह भाक जमाएगा जैसा कि टेक्साइल के क्षेत्र में उसने प्रभाव जमा रखा है। उसकी महत्वाकांक्षा थी कि वह इन ड़ोनो को मुक्तिमर चेडो इंडोनेशिया और मलेशिया को बेचकर धन कमाएगा। वास्तविकता यह है कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार बीएनपी की है जो हमेशा भारत के खिलाफ रही है। बांग्लादेश में जितने भी भारत विरोधी खुरगार की घटनाएं हुई हैं, वे सभी इसी पाटा की सरकार में हुई हैं। इसके अलावा तुर्विं भारत के खिलाफ कोई भी अवसर छोड़ नहीं रहा है। वह अपने इस्लामिक सरदारी को चमकाने के लिए बांग्लादेश को मिलाकर भारत के खिलाफ षडयंत्र करने से संकोच नहीं कर रहा है। यह दूसरी बात है कि साइप्रस को भारत पूर्ण सैन्य और वृत्नीतिक समर्थन दे रहा है ताकि वह तुर्विं की सिरदार बहा सके। इस वक़्त साइप्रस यूरोपीय यूनियन का अध्यक्ष भी है। भारत उसके प्रभाव इस्तेमाल करके तुर्विं को सबक सिखाने का प्रयास कर रहा है। तुर्विं भले ही नाटो का सदस्य देश है किन्तु वह जहां भी अपना हित देखता है, रूस और चीन के सामने सहायता के लिए हाथ पैदा देता है। अब बांग्लादेश को भारत के खिलाफ मजबूती से खड़ा करने के लिए वह चीन से भी समन्वय एवं सहयोग का प्रयास कर रहा है। बहरहाल भारत अपने पिढी पड़ोसी की हरकतों को किस तरह देखता है, यह तो हमारे नीति निर्धारक ही सुनिश्चित करके किन्तु भारत पड़ोसी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के साथ बड़ी विमनस् वृत्नीति का अभी व्यवहार कर रहा है और उम्मीद कर रहा है कि तारिक रहमान सरकार को सहृद्वि आ जाएगी और वे दूसरे देशों के बहकावे में आकर भारत से कुछ लेने की बचकानी हरकत छोड़ देंगे।

भारत तुर्विं के शत्रु भाव से इसलिए सतर्ब रहता है क्योंकि आपरेशन सिंदूर के वक्त उसने पाकिस्तान को ड़ोन देकर उसकी पूरी मदद की थी। दरअसल बांग्लादेश चाहता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए उसके प्रस्ताव को मान ले। किन्तु भारत ने दो टूक इस बात को मानने से इन्कार कर दिया है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के मुताबिक राजनीतिक आश्रय प्राप्त किसी भी राजनेता का प्रत्यर्पण संभव नहीं है। इसके लिए भारत और बांग्लादेश के बीच किसी भी संधि में इस बात का उल्लेख नहीं है कि दोनों देशों के किसी भी ऐसे नेता का प्रत्यर्पण किया जा सकता है जो राजनीतिक आश्रय प्राप्त किया हो। इसके अलावा भूराजनीतिक वृत्नीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत अपने रणनीतिक हितों के विपरीत जाकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण को अनुमति देने वाला नहीं है जब तक कि इस बात का पूरी तरह विश्वास न हो जाए कि उनके जीवन को कोई खतरा अब बांग्लादेश में नहीं है। भारतीय वृत्नीतिक बातचीत में भारतीय नीति निर्धारकों ने बांग्लादेश के नेताओं को दो टूक जबाब दे दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जब तक खुद नहीं जाना चाहेगी, तब तक नई दिल्ली उनसे देश छोड़ने के लिए नहीं कहेगा। भारत यह भी जानता है कि बांग्लादेश ने तुर्विं के साथ ड़ोन निर्माण कम्पनी का ज्वाइंट वेंचर 2022 में ही डील कर चुका है और इसी तहत वह बायरक्तारा 82 ड़ोन का इस्तेमाल मौजूदा वक्त में कर भी रहा है। इसके अलावा बांग्लादेश की सेना के पास वर्तमान में टीआरजी-300 ड़ोन है भी। खबरों के मुताबिक उसी वक़्त बांग्लादेश सरकार ने टीबी-2 एयर प्रेम पाट्रस सेंसर हाउसिंग और ग्राउंड वंटोल माइल को स्थानीय स्तर पर बनाने के लिए बातचीत कर रहा था, जिसमें तुर्विं के इंजीनियर बांग्लादेशी इंजीनियरों को प्रशिक्षित कर रहे थे।

यह तो हमारे नीति निर्धारक ही सुनिश्चित करके किन्तु भारत पड़ोसी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के साथ बड़ी विमनस् वृत्नीति का अभी व्यवहार कर रहा है और उम्मीद कर रहा है कि तारिक रहमान सरकार को सहृद्वि आ जाएगी और वे दूसरे देशों के बहकावे में आकर भारत से कुछ लेने की बचकानी हरकत छोड़ देंगे।

कुछ

अलग

पश्चाताप का दंड

दिल्ली

की एक अदालत ने कमरा भौंड से खचाखच भरा था। न्यायाधीश की किसी व्यवस्था से क्षुब्ध होकर अपराधी ने अपनी नग्नपल उतारी और निशाना साधकर न्यायाधीश की ओर उछली। क्षण भर में अदालत में सन्नाटा छा गया। वहां उपस्थित लोगों और पुलिस अधिकारियों के चेहरे क्रोध से तमतमा उठे। कुछ सिपाही अभियुक्त की ओर बढ़े। तभी न्यायाधीश ने उन्हे रोककर कहा, 'इसे कुछ मत कहिए। न इसे पीटिए। अपने किये पर यह खुद पश्चाताप करेगा। आत्म-रत्नाति ही इसके लिए सबसे बड़ा दंड होगा।' सिपाहियों के बढ़ते कदम रुक गए। अभियुक्त के घन में भीषण संघर्ष चल रहा था। सुनवाई खत्म हो चुकी थी। सिपाही ने अभियुक्त को ले जाने के लिए उसका हाथ पकड़ा। पर अभियुक्त ने क्रोध से उसका हाथ झटक दिया। लोग एक बार फिर सकते में आ गये। पर अगले ही क्षण अभियुक्त ने न्यायाधीश के सामने लगी लकड़ी की रेलिंग पर बार-बार अपना सिर पटकना शुरू कर दिया।

दृष्टि

कोण

जोगेंद्र

नाथ मंडल भारत के बंटवारे के पक्ष में नहीं थे लेकिन उन्होंने यह महसूस किया कि ऊंची जाति के हिंदू वर्णों के बीच रहने से शूद्रों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता और उनके लिए, पाकिस्तान एक बेहतर विकल्प हो सकता है। बसंत वुमार जहां देश 2 अक्टूबर को राष्‍ट्रपिता महात्‍मा गांधी की जयंती मना रहा है वहीं डॉ. आंबेडकर के समकालीन और दलित समाज के कल्‍पण के लिए समर्पित रहने वाले जोगेंद्र नाथ मंडल की पुण्यतिथि 5 अक्‍टूबर को है पर देश में सनातनियों की एक ऐसी जमात आ गई है जो महात्‍मा गांधी के योगदान को स्‍वीकार करने के बजाय उनके हल्‍कारे नाथु राम गोडसे का गुणगान करते हैं और जोगेंद्र नाथ मंडल को दलितों का मसीहा मानने के बजाय देश का गद्दार कहते हैं। वे ये भूल जाते हैं कि संविधान

सभा के लिए हो रहे परिपद के चुनावों में डॉ.

आंबेडकर बाँव्ये से चुनाव हार गए तो जोगेंद्र

नाथ मंडल ने अपने प्रभाव वाले क्षेत्र बंगाल से

चुनाव लड़कर मुस्लिम लीग के सपोर्ट से

जितवाया नहोता तो डॉ. आंबेडकर संविधान

सभा के सदस्य न बन पाते और यह देश डॉ.

आंबेडकर की सेवाओं से वंचित रह जाता,

इसलिए जोगेंद्र नाथ मंडल को सही रूप में

जानने की आवश्यकता है। जोगेंद्र नाथ

मंडल बंगाल के दलित समुदाय के

प्रभावशाली नेता थे, वे भारत के बंटवारे से

पहले बंगाल की राजनीति में उनके लिये

ब्रिटिश उपनिवेशवाद से छुटकारा पाना एक

मुद्दा नहीं था, बल्कि उससे ज्यादा महत्वपूर्ण

बंगाल में जमींदारी की चक्की में पिसने वाले

किसानों का था जिनमें मुसलमान और

दलित थे। जमींदारों में अधिकांश हिंदू

ब्राह्मण, कायस्थ थे जिन्हें वहां की स्थानीय

शहर

शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी बॉंचे, सामान रखने के लिए घेरा गया सामान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक सड़कों को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया सामान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है।

देश

दुनिया से

वृत्रिम बुद्धिमत्ता और जनसंपर्क: अवसर ज्यादा या चुनौती?

भविष्य

संदेश मनुष्य ने लिखा या मशीन ने। ज्यदा महत्वपूर्ण यह होगा कि क्या वह संदेश सही था, प्रासंगिक था, संवेदनशील था और उस पर भरोसा किया जा सकता था। क्योंकि वृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जब शब्दों की कोई कमी नहीं होगी तब जनसंपर्क की सबसे बड़ी ताकत शायद वही होगी जो हमेशा से रही है: विश्वसनीय संवाद। 88 प्रतिशत। 70 प्रतिशत। 80 प्रतिशत से अधिक। ये आंकड़े केवल वृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल की कहानी नहीं बताते बल्कि उस बदलाव की ओर संकेत करते हैं जो काम करने, सोचने और संवाद करने के हमारे तरीके को बदल रहा है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की 2026 की वृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में संव्रेक्षण में शामिल 88 प्रतिशत संगठनों ने कम से कम एक व्यावसायिक कार्य में वृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया जबकि 70 प्रतिशत संगठनों ने जनरेटिव वृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया। भारत में कार्यस्थल पर वृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने वाले कर्मचारियों का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक रहा। इन आंकड़ों के बीच जनसंपर्क की दुनिया भी तेजी से बदल रही है। सवाल अब केवल यह नहीं है कि किसी संस्था की सूचना जनता तक कितनी जल्दी पहुंचती है। असली सवाल यह है कि जब मशीन कुछ ही सेकंड में हजारों शब्द तैयार कर सकती है तब जनसंपर्क की असली कीमत क्या रह जाएगी? शायद इसका उत्तर पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है: विश्वास। जनसंपर्क मूल रूप से संस्था और समाज के बीच संवाद की प्रक्रिया है। सरकार और नागरिक, कंपनी और ग्राहक, विश्वविद्यालय और विद्युधा, अस्पताल और मरीज, मीडिया और संस्था, सार्वजनिक



उपाम और समुदाय। हर जगह जनसंपर्क का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं बल्कि समझ, विश्वसनीयता और संबंध बनाना है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी प्रक्रिया को तेज और अधिक विश्वेश रूप से महत्वपूर्ण है। किसी संस्था की प्रतिष्ठा वर्षों में बनती है लेकिन इसके मानवीय आधार को समाप्त नहीं कर सकती। आज एक जनसंपर्क अधिकारी कुछ ही मिनटों में किसी सूचना के कई प्रारूप तैयार कर सकता है। प्रेस विज्ञप्ति, भाषण, प्ररनोसर, सामाजिक माध्यमों की सामग्री, समाचार-पत्र के लिए संक्षिप्त संस्करण, वीडियो की पटकथा और विनियन भाषाओं में अनुवाद। वृत्रिम बुद्धिमत्ता इन कार्यों में काफी समय बचा सकती है। बड़े दस्तावेजों से महत्वपूर्ण तथ्य निकालना, आंकड़ों का विश्लेषण करना और संभावित सवालों की पहचान करना भी आसान हो गया है। लेकिन यही सुविधा एक नई चुनौती भी पैदा करती है। जब सामग्री बनाना आसान हो जाए तो गलत सामग्री भी उतनी ही तेजी से बन सकती है। स्टैनफोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े दर्ज घटनाओं की संख्या 362 रही जबकि 2024 में यह 233 थी। भारत में 2024 से 2025 के बीच वृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर चिंता में 14 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। इसका अर्थ यह है कि तकनीक का विस्तार जितनी

जरूरी है। मीडिया और सामाजिक माध्यमों ने इस चुनौती को और जटिल बनाया है। पहले सूचना का प्रवाह अपेक्षावृत नियंत्रित था। आज कोई भी व्यक्ति सूचना को सही ढंग से और प्रसारक बन सकता है। वृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस क्षमता को और बढ़ा दिया है। एक ही घटना पर कुछ ही समय में हजारों शब्द, तस्वीरें, वीडियो और संदेश तैयार हो सकते हैं। ऐसे माहौल में जनसंपर्क की भूमिका सूचना जारी करने वाले विभाग से आगे बढ़कर सूचना की विश्वसनीयता के संरक्षक हो जा रही है। यही वृत्रिम बुद्धिमत्ता और जनसंपर्क का सबसे महत्वपूर्ण संबंध दिखाई देता है। आने वाले समय में सफल जनसंपर्क केवल इस बात से तय नहीं होगा कि संस्था कितनी सामग्री तैयार करती है बल्कि इस बात से भी तय होगा कि वह डिजिटल शोर के बीच कितनी विश्वसनीय आवाज बन पाती है। भारत में डिजिटल परिवर्तन इस बदलाव को और व्यापक बना रहा है। डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना, ऑनलाइन सरकारी सेवाएं, डिजिटल भुगतान, सामाजिक माध्यम, वृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं और बहुभाषी डिजिटल सामग्री ने सरकार और नागरिकों के बीच संवाद के तरीके को बदल दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत सितंबर 2026 तक 97.61 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते और 119.95 करोड़ से अधिक जुड़े स्वास्थ्य अभिलेख इसका एक उदाहरण है। इसी तरह ई-संजीवनी पर 50 करोड़ से अधिक दूरस्थ चिकित्सकीय परामर्श इस बात का संकेत देते हैं कि डिजिटल संवाद अब जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों का हिस्सा बन चुका है लेकिन वृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव केवल सरकारी संस्थानों या स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है।

बंगाल में भद्रलोक के लोगों द्वारा नाथ शूद्रो की दयनीय स्थिति इतनी दूरी तरह पर कर गई थी कि वे डॉ. आंबेडकर की चेतावनी को अनदेखा करने लगे थे। पर ऐसा क्या संयोग था कि डॉ. आंबेडकर आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बने और जोगेंद्र नाथ मंडल पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री बने दोनों ने अपने अपने देशों का संविधान लिखा पर दोनों को कुछ वर्षों में अपने अपने पदों से इस्तीफा देना पड़ा। मंडल पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को त्याग पद देकर भारत आ गए और डॉ. आंबेडकर ने लड़कियों के लिए लड़कों की भांति अपने पिता के संपत्ति के विरासत के प्रस्ताव के न लागू किए जाने के अस्वीकार करने के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।



बेचने वाले अनेक लोग अपनी छोटी-सी पूंजी से परिवार चलाते हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है। उनके लिए रेहड़ी के केवल व्यापार का सपन नहीं, बल्कि घर की आय का महत्वपूर्ण स्रोत होती है। इसलिए यदि कोई रेहड़ी निर्धारित स्थान पर नहीं लग सकती तो उसे हटाने से पहले नियमों के अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में भी सोचना चाहिए। हरियाणा में स्ट्रीट वेंडरों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। सर्वे, पंजीकरण, वेंडिंग ज़ोन और टाउन वेंडिंग कमेटी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि सड़क किनारे होने वाले छोटे कारोबार को पूरी तरह अनियंत्रित भी न छोड़ा जाए और गरीब विक्रेताओं की आजीविका भी अनावश्यक रूप से न छीनी जाए। इसलिए प्रशासन को अतिक्रमण और वैध स्ट्रीट वेंडिंग के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है व्यवहार की भाषा। नियम तोड़े जाने पर सामान हटाया जा सकता है, चालान किया जा सकता है और कानून के अनुसार जल्दी की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी महिला के साथ अपमानजनक भाषा, धक्का-मुक्की या अमानवीय व्यवहार किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासनिक अधिकार नागरिक के सम्मान से बड़ा नहीं हो

सकता। यदि सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा व्यवहार वास्तविक घटना का हिस्सा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वीडियो के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद जांच से बचना भी उचित नहीं होगा। नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस दिन क्या कार्रवाई हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी की इयूटी थी, महिला को पहले कोई सूचना दी गई थी या नहीं, सामान जब्त करने की क्या प्रक्रिया अपनाई गई और बाद में उसे सामान वापस लेने का अवसर दिया गया या नहीं। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन या अशुद्ध व्यवहार सिद्ध होता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कार्रवाई का उद्देश्य अधिकारियों का मनोबल गिराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारों के जिम्मेदारी इस्तेमाल का संदेश देना होना चाहिए। जिस प्रकार अतिक्रमण करने वाले से नियमों का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मर्यादा का पालन अपेक्षित है। सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरुआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक

और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण—सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि नागरिकों को भी पता चले कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते। शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामन फैलता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ पर कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को कब अवसर में बदल सकता होे। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे कयया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की व्बैकवूट सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग ज़ोन बनाए जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजर अंदाज होते रहें। हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग नागरिक नहीं हैं। नियम अलग-अलग नहीं हो सकते। यदि किसी गरीब महिला से गलती हुई है तो उसे कानून के अनुसार समझाया और दंडित किया जा सकता है; लेकिन उसका अपमान नहीं किया जा सकता। और यदि किसी बड़े प्रतिष्ठान ने सार्वजनिक स्थान पर कब्जा किया है तो उसके खिलाफ भी वही दृढ़ता दिखाई जानी चाहिए।

आप का

नजरीया

रुद्धियों को धूल चटाकर स्वर्ण छीनने वालीं..

नागोया

गूंज पदकों की खनक से कहीं आगे तक सुनाई देती है। हाँकी के मैदान पर निर्णायक गोल, शूटिंग रेंज में अचूक निशाना और गोल्फ कोर्स पर असाधारण कौशल ने एशियाई खेलों में भारत की महिला शक्ति का नया अध्याय खोल दिया। तालारमसियामी, नीरू धांदा और प्रणवी उर्स की उपलब्धियां महज खेल विजय नहीं, बल्कि उन सपनों की शानदार परिणति हैं, जो सामाजिक रुद्धियों और अवसरों के अभाव के बीच भी पलते रहें। इन बेटियों ने अपने दमखम, दृढ़ संकल्प और बेजोड़ प्रतिभा से साबित कर दिया कि भारतीय महिलाएं अब केवल संभावनाओं की प्रतीक नहीं, बल्कि हर चुनौती को भेदकर इतिहास रचने वाली शक्ति हैं। चार दशक से अधिक की कसक को भारतीय महिला हाँकी टीम ने चीन के खिलाफ ऐतिहासिक गोल से स्वर्णिम विजय में बदल दिया। एशियन गेम्स के फाइनल में 1-0 की जीत के साथ भारत ने 1982 के बाद पहली बार हाँकी का स्वर्ण हासिल किया। दसवें भिन्नट में तालारमसियामी के टर्मिहाक शॉट ने चीन की रक्षापंक्ति को भेदकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोक दी, लेकिन गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार सेव्स और रक्षापंक्ति की सुरस्तीदे ने उसके हर वार को नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का अनुशासन, तालमेल और आखिरी दम तक संघर्ष इस जीत की असली ताकत बना। इस कामयाबी ने 44 वर्षों का इंतजार खत्म करने के साथ भारत के लिए 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट भी पक्का कर दिया। नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में भी पक्का कर दिया। नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण जीतकर भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तित्व स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वालीय पहली भारतीय महिला बनीं। अटूट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और साधक शिाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना उर्स ने अपने धैर्य, कौशल और एकाग्रता में भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तित्व स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हर शॉट में तकनीक, परिस्थितियों के आकलन और रणनीति की कसौटी पर खरी उतरते हुए प्रणवी ने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि गोल्फ में ताकत से अधिक सूझबूझ, धैर्य और आत्मसंयम मायने रखते हैं। उनकी जीत ने इस धाराण को भी तोड़ा कि गोल्फ कुछ खास वर्गों तक सीमित खेल है। प्रणवी की यह उपलब्धि उन युवातियों के लिए नई राह है, जो गोल्फ में अपना भविष्य तलाश रही हैं। स्वर्णिम सफलताओं की यह लहर तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक पहुंची। अंकिता भक्त, कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोद की रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर पहली बार एशियन गेम्स का स्वर्ण जीता। कुमकुम ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 7.5 किलोग्राम वर्ग में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि परवीन हुड्डा ने 6.5 किलोग्राम वर्ग में चीनी ताहपेंई की चेन निगन-चिन को 3-2 से हराकर खिताब पक्का किया। इन जीतों में अचूक निशाने, दमदार मुक्कों और दबाव में फेंसले लेने के कौशल की झलक दिखी। इन उपलब्धियों ने साबित किया कि भारतीय बेटियां तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक हर खेल में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बना रही हैं। मैदान पर चमकते पदकों के पीछे वर्षों की मेहनत और मजबूत खेल व्यवस्था की भूमिका है।

भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तित्व स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। अटूट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और अचूक निशाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना को ऐतिहासिक सफलता में बदला। शूटिंग में जरा-सी चूक भी जीत छीन सकती है, लेकिन नीरू ने साबित किया कि लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर फ़िल लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर नियंत्रण भी जरूरी है।

भारतीय खेल इतिहास में प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि गोल्फ में ताकत से अधिक सूझबूझ, धैर्य और आत्मसंयम मायने रखते हैं। उनकी जीत ने इस धाराण को भी तोड़ा कि गोल्फ कुछ खास वर्गों तक सीमित खेल है। प्रणवी की यह उपलब्धि उन युवातियों के लिए नई राह है, जो गोल्फ में अपना भविष्य तलाश रही हैं। स्वर्णिम सफलताओं की यह लहर तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक पहुंची। अंकिता भक्त, कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोद की रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर पहली बार एशियन गेम्स का स्वर्ण जीता। कुमकुम ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 7.5 किलोग्राम वर्ग में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि परवीन हुड्डा ने 6.5 किलोग्राम वर्ग में चीनी ताहपेंई की चेन निगन-चिन को 3-2 से हराकर खिताब पक्का किया। इन जीतों में अचूक निशाने, दमदार मुक्कों और दबाव में फेंसले लेने के कौशल की झलक दिखी। इन उपलब्धियों ने साबित किया कि भारतीय बेटियां तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक हर खेल में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बना रही हैं। मैदान पर चमकते पदकों के पीछे वर्षों की मेहनत और मजबूत खेल व्यवस्था की भूमिका है।

लघु उद्योग नाम के छोटे, लेकिन राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पाली/जयपुर (हिस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लघु उद्योग आकार में भले ही छोटे हों, लेकिन राष्ट्र निर्माण और रोजगार सृजन में उनका योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि गांव, ढाणी और कस्बों में रहने वाले युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को उनके स्थानीय क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए हर कदम पर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाली में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित उद्यमी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। मेक इन इंडिया, वोकाल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने छोटे उद्यमियों, कारीगरों और व्यापारियों को नई ऊर्जा दी है। इसी का परिणाम है कि हमारे स्थानीय उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लघु उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान में उपलब्ध स्थानीय संसाधनों और कुपि उत्पादों पर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आगे आएँ। उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग के लिए आवश्यक जमीन, पानी और बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार गंभीरता से काम कर रही



है। पिछले ढाई वर्षों में रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, नर्मदा जल समझौता और किशाऊ बहुदेशीय परियोजना जैसे प्रमुख जल समझौतों के माध्यम से प्रदेश में पानी की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक काम हुआ है। वहीं, गंगनहर, सोम-कमला-अंबा सहित अन्य परियोजनाओं के माध्यम से भी सिंचाई एवं पेयजल की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी प्रकार राजस्थान में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत केवल पूंजी से नहीं, बल्कि उद्यमियों के परिश्रम, प्रतिभा और अटूट लगन से आगे बढ़ता है। राजस्थान

की डबल इंजन सरकार निवेश, व्यापार और रोजगार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। राईजाऊ राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू में से 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश पर धरातल पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। रीको भीम आर्विटी की जा चुकी है, जबकि 800 से अधिक औद्योगिक इकाइयों में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्यमों की बेहतरी के लिए भी निरंतर प्रयास कर रही है। पंच गौरव के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। साथ ही, राज उद्योग मित्र और राज निवेश पोर्टल के माध्यम से

सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 और राजस्थान एकीकृत क्लस्टर विकास योजना के तहत करोड़ों के प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और उद्यमियों के सामूहिक प्रयासों से राजस्थान देश का अग्रणी औद्योगिक प्रदेश बन गया है। सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026, एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को मंजूरी दी गई है। इसके साथ लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025, इंडस्ट्रियल पार्क पॉलिसी-2025 और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पॉलिसी-2026 से प्रदेश में औद्योगिक विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। राज्य सरकार ने कुल 37 नई नीतियां जारी की हैं, जिससे प्रदेश में व्यवसाय करना आसान हुआ है और राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। उन्होंने कहा कि जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश के औद्योगिक विकास के विजन का प्रमुख केंद्र है। इसके फेज-ए में 641 हेक्टेयर भूमि पर आधारभूत विकास एवं विद्युत कार्यों के लिए 370 करोड़ रुपए के कार्यदेश जारी किए जा चुके हैं। यह क्षेत्र देश के प्रमुख औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। पाली के वस्त्र उद्योग को नई गति देने के लिए राजस्थान टेक्स्टाइल एंड अपैरैल पॉलिसी-2025 लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना

के माध्यम से पारंपरिक शिल्पकारों को आधुनिक प्रशिक्षण, टूलकिट और आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। राज्य सरकार ने कारीगरों के हित में पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत मिलने वाले रियायती ऋण पर 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से नौकरों संवल देकर हजारों युवाओं को नौकरी तलाशने वाले की बजाय नौकरी देने वाला बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती केवल व्यापार तक सीमित ना रहकर राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रही है। यह स्वावलंबन, आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम बनी है। चुड़ी पर नगीने लगाने, मिट्टी के कुल्हड़ बनाने की मशीनें उपलब्ध कराने, सिलाई प्रशिक्षण, मेहंदी एवं ब्यूटी पालर जैसे कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ा गया है। सांसद मदन रावोड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार स्थिरता और विकास के विजन के साथ लघु, कुटीर एवं स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है।

दीपावली से पहले जयपुर में फायर सेफ्टी जांच तेज, 150 भवन मालिकों को नोटिस

जयपुर (हिस)। दीपावली से पहले जयपुर में पटाखों की अस्थायी दुकानों के लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया आंतिम चरण में पहुंच गई है। इसी के साथ नगर निगम ने पटाखा दुकानों के साथ बाजारों, होटल, रेस्टोरेंट, बार, स्कूल-कॉलेज और अन्य व्यावसायिक भवनों में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच तेज कर दी है। फायर सेफ्टी में कमियां मिलने पर भवन मालिकों को नोटिस देने और जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की फायर विंग ने अब तक फायर फाईटिंग सिस्टम और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर 150 भवन मालिकों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में 15 दिन के भीतर कमियां दूर करने और आवश्यक फायर सेफ्टी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय में व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं करने और नगर निगम से अनपत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं लेने पर संबंधित भवन के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नगर निगम फायर विंग की डिटी कमिश्नर दुर्गा कुमारी ने बताया कि पुरोहितजी का कटला में आग की घटना के बाद वहां सामने आई कमियों और अनियमितताओं को दूर करने की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही शहर के अन्य संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच तेज की गई है। उन्होंने बताया कि फायर टीम अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण कर रही है। जहां सुझाव नियमों की अनदेखी मिल रही है, वहां भवन मालिकों को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए जा रहे हैं। दीपावली के मद्देनजर पटाखों की दुकानों पर भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। कमियां मिलने पर नियमानुसार नोटिस या अन्य कार्रवाई की जाएगी।

फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर जदयू ने की वर्चुअल बैठक



पटना (हिस)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आगामी 6 अक्टूबर को सारण, 7 अक्टूबर को वैशाली, 8 अक्टूबर को समस्तीपुर और 9 अक्टूबर को पटना में आयोजित होने वाले *फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद* के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर रविवार को संबोधित जिलों के विधामंडल दल के सदस्यों, जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साधियों के साथ वर्चुअल बैठक कर विस्तृत समीक्षा की तथा कार्यक्रमों के ऐतिहासिक आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उमेश कुशवाहा ने कहा कि हमारा बिहार पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा है। फरक्का बैराज के कारण गंगा में भारी मात्रा में गाद जमा होने से नदी की गहराई और जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है। इसके चलते बिहार को हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है, किसानों की फसलें तबाह होती हैं और आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव

पड़ता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, लेकिन इसका 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार को उठाना पड़ रहा है। इस संधि के कारण बिहार को शुष्क मौसम में गंगा समेत राज्य की आंतरिक नदियों का पानी भी फरक्का बैराज पर देना पड़ता है, जिससे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लंबे समय से फरक्का के कारण बिहार को हो रहे नुकसान और बिहार के जल हितों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। हमारी पार्टी की ओर से 14 करोड़ बिहारवासियों के हित और भविष्य से जुड़े इस बेहद महत्वपूर्ण विषय को लेकर 5 सितंबर से *फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद* कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसके प्रथम चरण में 4 जिलों बक्सर, भोजपुर, खगड़िया एवं बेगूसराय में मा. राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के साथ मेरा संयुक्त संवाद हुआ। इस कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन मिला है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन बिहार विधानपरिषद में सतारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी ने किया। मौके पर डॉ. अमरदीप, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी शंभू कुशवाहा एवं अंजुम आग मौजूद रहीं। वहीं, वर्चुअल माध्यम से विधानपापद रवींद्र प्रसाद सिंह, विधानपापद वीरेंद्र नारायण यादव, विधायक अश्वमेध देवी, विधायक सिद्धार्थ पटेल, विधायक अरुण मांझी, विधायक मांजरिक मृणाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संवाद में भाग लिया।

कांग्रेस सरकार बनते ही हटाए जाएंगें श्रमिक हितों पर लगाए गए काले कानून : संजय दत्त

श्रमिक हितों में व श्रम कानूनों के खिलाफ इंटक की बैठक में गूंजी आवाज

गुरुग्राम (हिस)। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) हरियाणा प्रदेश की राज्य कार्यसमिति की बैठक अग्रवाल भवन गुरुग्राम में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता इंटक हरियाणा के अध्यक्ष अमित यादव ने की। बैठक में प्रदेशभर से श्रमिक संगठनों, यूनियनों, सरकारी कर्मचारियों और असांगठित मजदूरों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व सांसद राज बब्बर ने शिरकत की। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने शनिवार देर शाम तक चली बैठक में कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने गरीबों, मजदूरों को बहकाकर वोट लिया। ऊपर से वोट चोरी की और सरकार बनाकर देश में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ा दी। आज युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहे।

कांग्रेस सरकार बनते ही हटाए जाएंगें श्रमिक हितों पर लगाए गए काले कानून : संजय दत्त

श्रमिक हितों में व श्रम कानूनों के खिलाफ इंटक की बैठक में गूंजी आवाज

सरकारी नौकरियों के इंतजार में युवा बैठे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर देश से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेंगें। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इंटक देश की रीढ़ की हड्डी है। जहां भी जा रहा हूँ, इंटक हर जिले में मजबूती से काम कर रही है। मजदूर विरोधी काले कानूनों के खिलाफ इंटक जो लड़ाई लड़ रही है, कांग्रेस उसके साथ खड़ी है। सरकार आने पर सभी मजदूर विरोधी लेबर कोड को खत्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भाजपा सरकार वह इतिहास बनकर रह जाएगी, जो देश के विकास नहीं विनाश के नाम से जाना जाएगा। पूर्व सांसद राज बब्बर ने कहा कि मैं भी इंटक परिवार से हूँ। मेरे पिता ने भी रेलवे में रहते हुए इंटक को काफी लंबे समय तक काम किया है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी करके बनाई गई सरकार कभी भी देश का भला न सोच सकती है और न

आशा, मिड-डे मील वर्करों ने किया प्रदर्शन, सांसद प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

जौंद (हिस)। स्कीम वर्करों ने रविवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और मांगों को लेकर सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी के प्रतिनिधि वजीर गांगोली को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन से मिड डे मिल वर्कर्स एवं आशा वर्कर्स लघु सचिवालय के बाहर जिला अध्यक्ष नीलम तथा मिड डे मिल वर्कर्स यूनियन की जिला उपप्रधान पिंकी की अध्यक्षता में एकत्रित हुई। वर्करों को संबोधित करते हुए आशा वर्कर यूनियन की जिला उपप्रधान कंकेश तथा मिड डे मिल वर्कर्स यूनियन जिला सहसचिव कविता ने कहा कि आंगनवाड़ी, आशा, मिड डे मिल सहित विभिन्न स्कीमों में काम करने वाली लाखों महिला वर्कर्स सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को जमीन पर लागू कर रही हैं लेकिन उन्हें आज तक कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया। बेहद कम मानदेय पर काम लेने के बावजूद काम का लगातार बोझ बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ विकास और जनकल्याण के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन दूसरी तरफ शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की सार्वजनिक संपत्तियों और सरकारी संस्थाओं



को निजी एवं कॉर्पोरेट हितों के हवाले करने की नीतियों का सबसे ज्यादा असर गरीब, मजदूर, किसान और कर्मचारी वर्ग पर पड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा और श्रम अधिकारों को मजबूत करने के बजाय यदि सरकारी संस्थाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को कमजोर किया जाता है तो इसका सीधा नुकसान आम जनता को होता है। उन्होंने मांग की कि 45वें श्रम सम्मेलन के निर्णय के अनुसार सभी आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स, आशा वर्कर्स, मिड डे मिल वर्कर्स, क्रेच वर्कर्स एवं हेल्पर्स सहित सभी स्कीम वर्कर्स को स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

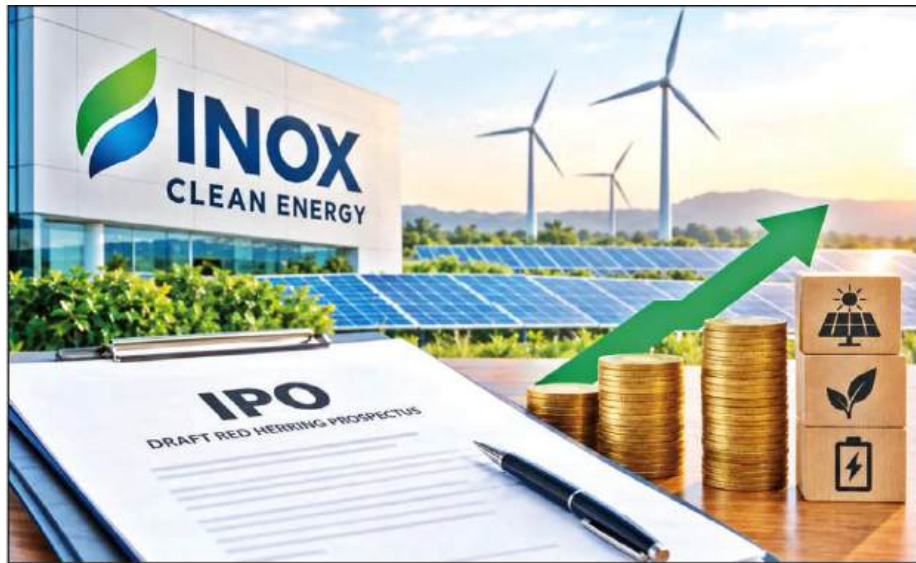
करीब एक दशक की मेहनत के बाद सम में खुले क्षेत्र में छोड़े गए दो नर गोडावण



उनका आधार जताया। दूसरी पोस्ट में यादव ने रिलीज के दौरान संरक्षण कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों और टीम के सदस्यों की भावुक प्रतिक्रिया का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि डॉ. सुराशा दत्ता, डॉ. तुप्पा कार्कीरिया और हृषिका शर्मा इस क्षण भावुक हो गए। यादव ने कहा कि कुछ लोग अपना पूरा जीवन निस्वार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित कर देते हैं और इस उपलब्धि को संभव बनाने वाली पूरी टीम के लिए प्रशंसा के शब्द पर्याप्त नहीं हैं। भारतीय वन्यजीव

के आधार पर भविष्य में गोडावणों को छोड़ने की प्रक्रिया के प्रोटोकॉल को और विकसित किया जाएगा। कैप्टिव ब्रीडिंग में संकटग्रस्त प्रजाति का। नियंत्रित और सुरक्षित परिस्थितियों में प्रजनन कराया जाता है। गोडावण संरक्षण कार्यक्रम में तैयार पक्षियों को प्राकृतिक आवास में छोड़ने से पहले उन्हें प्राकृतिक परिस्थितियों में अनुरूप तैयार किया गया। इसके लिए री-वाइल्डिंग प्रक्रिया पर काम किया गया। कार्यक्रम के तहत 2025 में 24 और 2026 में 29 जीवित गोडावण चूजे पैदा हुए हैं। सम और रामदेवरा की संरक्षण प्रजनन सुविधाओं में वर्तमान में 97 गोडावण हैं, जिनमें 57 कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार हुए हैं। इन्हें से 11 को जंगल में छोड़ने के लिए चिन्हित किया गया था, जिनमें दो को रविवार को छोड़ा गया। गोडावण राजस्थान का राज्य पक्षी है और थार के मरुस्थलीय एवं घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी प्रमुख प्रजाति हैं। जैसलमेर का डेजर्ट

नेशनल पार्क इसके महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों में शामिल है। गोडावण की संख्या में गिरावट के कारण इसके संरक्षण के लिए प्रजनन, आवास संरक्षण और खतरों को कम करने पर एक साथ काम किया जा रहा है। राजस्थान वन विभाग ने डेजर्ट नेशनल पार्क के भीतर करीब 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घासभूमि को सुरक्षित करने के लिए बाइबंदी की है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के दीर्घकालिक टेलीमेट्री अध्ययनों में इन क्षेत्रों को गोडावण के प्रमुख प्रजनन आवास के रूप में चिन्हित किया गया है। खुले क्षेत्र में छोड़े गए दोनों गोडावणों की जांच जाएगी और वैज्ञानिक निगरानी की जाएगी। उनके मूवमेंट, उड़ान, भोजन और प्राकृतिक वातावरण में अनुकूलन पर नजर रखी जाएगी। बिजली की हाईटेंशन लाइनों और अन्य संभावित खतरों से बचाव भी निगरानी का हिस्सा होगा। कार्यक्रम में राजस्थान के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।



सेबी ने आईनाक्स क्लीन एनर्जी के 10,000 करोड़ के आईपीओ पर लगाई रोक

बाजार नियामक ने बिना वजह बताए प्रक्रिया स्थगित की, आईपीओ के भविष्य पर अनिश्चितता

नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड) ने आईनाक्स क्लीन एनर्जी के 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) से जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा प्रक्रिया को फिलहाल रोक दिया है। कंपनी ने 29 सितंबर को सेबी के

पास अपने शुरुआती दस्तावेज जमा कराए थे। सेबी ने इस निलंबन के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की है, जिससे इस बड़े आईपीओ की आगे की राह पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। आईनाक्स क्लीन एनर्जी की योजना इस निगम के माध्यम से कुल 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की है।

इसमें 8,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि कंपनी के बड़े शेयरधारक और गैर-कार्यकारी निदेशक देवांश जैन अपने हिस्से के कुछ शेयर बेचकर 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाएंगे। नए शेयरों से प्राप्त होने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 6,000 करोड़

रुपये, कंपनी और उसकी सहायक इकाइयों के कर्ज चुकाने में उपयोग किया जाएगा। शेष रकम का उपयोग विभिन्न कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, जैसा कि दस्तावेजों में विस्तृत है।

आईनाक्स जीएफएल समूह का हिस्सा होने के नाते, आईनाक्स क्लीन एनर्जी भारत और अफ्रीका में सौर व पवन ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण और संचालन करती है। कंपनी की मौजूदा बिजली उत्पादन क्षमता 2.37 गीगावाट है, जबकि 9.29 गीगावाट की परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। यह कंपनी भारत और अमेरिका में सौर पैनल निर्माण का

कार्य भी करती है। भारत सरकार के 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन से 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के कारण, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियां विस्तार के लिए पूंजी जुटाने की होड़ में हैं। इस साल क्लीनमेक्स और जुनियर ग्रीन एनर्जी जैसी कंपनियां सूचीबद्ध हुई हैं, वहीं अवाडा इलेक्ट्रो और सेल इंडस्ट्रीज जैसी अन्य कंपनियां भी आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। गौरतलब है कि आईनाक्स क्लीन एनर्जी ने पिछले साल भी सेबी के पास गोपनीय तरीके से आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा किए थे, लेकिन बाद में उसने अपनी योजना वापस ले ली थी।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत एशिया में नेटएपे का शीर्ष वृद्धि बाजार: सीईओ, कंपनी बीएफएसआई, विनिर्माण और सरकारी क्षेत्रों में तेज वृद्धि देख रही



लास वेगास। डेटा अवसरचना कंपनी नेटएपे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉर्ज कुरियन ने घोषणा की है कि भारत एशिया में उनकी कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने देश में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), विनिर्माण, आईटी सेवाएं और सरकारी क्षेत्रों को इस वृद्धि का प्रमुख चालक बताया। कुरियन ने कहा कि नेटएपे भारत में अपने कारोबार विस्तार के और अवसर तलाश रही है। बैंगलुरु स्थित इसका वैश्विक क्षमता केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा है, जहां लगभग 4,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और यह कंपनी के वैश्विक नवीनीकरण व प्रमुख अनुसंधान एवं विकास का केंद्र है। भारत के आल-प्लेय भंडारण बाजार में अग्रणी नेटएपे, भारतीय कर्मचारियों व साझेदारों के लिए अवसरों और निवेश में वृद्धि कर रही है। कुरियन ने कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने वाली कंपनियों को पहले अपने डेटा ढांचे को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि वे परिसर-आधारित या क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म बना सकें। नेटएपे ने अपने वार्षिक कार्यक्रम इनसाइट 2026 के दौरान एआई और डेटा अवसरचना से जुड़े कई नए उत्पादों की घोषणा की। इनमें नोवस नामक एक नई भंडारण संरचना प्रमुख है, जो जेटबाइट स्तर की फाइल प्रणाली को समर्थन देगी और एआई ढांचे में जीपीयू को लगातार डेटा प्रदान कर निवेश क्षमता को बेहतर बनाएगी।

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलाशेंगे खनिज संपत्ति



नई दिल्ली। भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है। यह कोयला मुख्य रूप से आस्ट्रेलिया और मोजाम्बिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चुना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है।

त्योहार सीजन में कंपनियां दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर आशावित, प्रीमियम मांग, आसान ईएमआई और अपग्रेडेशन पर फोकस से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से ठीक पहले एयर-कंडीशनर और अन्य उपभोक्ता उपकरणों की कीमतों में 5-8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। यह इस साल की तीसरी वृद्धि है, जो



कच्चे माल, माल ढुलाई और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। बाजुद इसके विनिर्माता इस बार बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर काफी आशावान हैं। उद्योग का मानना है कि प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, पुराने उपकरणों को बदलने की जरूरत, आसान मासिक किस्त (ईएमआई) सुविधा और उपभोक्ता धारणा में सुधार से बिक्री को मजबूती मिलेगी। दक्षिण भारत में ओगम के दौरान मिली अच्छी बिक्री से कंपनियां को नवरात्रि और दीपावली के दौरान भी मजबूत मांग की उम्मीद है। हायर अल्ट्रासेज इंडिया को मूल्य के आधार पर त्योहारी बिक्री में 30-35 प्रतिशत और मात्रा में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। वहीं, सोनी इंडिया 15-20 प्रतिशत की वृद्धि देख रही है, जिसमें प्रीमियम टीवी और इमेजिंग उत्पादों का योगदान अहम होगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भी श्राद्ध पक्ष के दौरान घुस्साछ में उत्साहजनक रुझान देखा है, जहां लोग नए घर में जाने या मौजूदा घर को अपग्रेड करने के लिए भी उपकरण खरीद रहे हैं।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई

आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बांड पर बढ़ते ब्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा।

निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रुख को भी करीब से समझेंगे, जो भविष्य की ब्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी सप्ताह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी।

इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बांड पर ब्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और हार्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है। वहीं सप्ताह भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा, जहां सेंसेक्स 4 दिन में 1800 अंक से अधिक दूरी और निफ्टी में भी 3 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।



सर्दियों से पहले ही शादियों ने बढ़ाई होटल उद्योग की चमक, नवंबर-फरवरी के स्लाट लगभग भरे, 2027 तक के लिए भी पूछपरख

नई दिल्ली। सर्दियां शुरू होने से पहले ही देश के होटल उद्योग में शादी समारोहों के लिए अभूतपूर्व मांग देखने को मिल रही है। लोकप्रिय होटल और रिजार्ट्स में आगामी सीजन के लिए ही नहीं, बल्कि कई साल पहले से ही बुकिंग शुरू हो गई है, जिससे इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। होटल उद्योग में विवाह से संबंधित कारोबार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। मेरियट इंटर्नेशनल के नूर महल, करनाल के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि उनके होटल के विवाह कारोबार में पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नवंबर और फरवरी जैसे प्रमुख महीनों के लिए होटल में बुकिंग लगभग पूरी हो चुकी है। परिवार अब विवाह समारोह के लिए अधिक दिन तक चलने वाले और व्ययितगत आयोजनों को प्राथमिकता दे रहे हैं, और वे बुकिंग भी काफी पहले कर रहे हैं। यह बदलाव होटल उद्योग को न केवल बेहतर राजस्व प्रदान कर रहा है बल्कि भविष्य के कारोबार की बेहतर जानकारी भी दे रहा है, क्योंकि शादी-विवाह का सीजन होटलों के लिए कमरे, बैंक्वेट, खान-पान और अन्य आयोजनों की मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि लाता है।



केनन भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में अतारंगी लियोग्राफी तकनीक



नई दिल्ली। जापान की इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी दिग्गज केनन भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की तैयारी में है। कंपनी ने भारतीय चिप निर्माताओं को अपनी उन्नत लियोग्राफी तकनीक और सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में एक सेवा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। केनन इंडिया के एक अधिकारी ने इस कदम को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि केनन, जो चिप निर्माण में उपयोग होने वाली लियोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, अपनी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय चिप निर्माताओं को सहयोग देना चाहती है। कंपनी ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है, हालांकि अभी किसी विशेष समझौते की घोषणा नहीं की गई है। अधिकारी के अनुसार जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, केनन के लिए समर्पित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

सस्ते आईपीओ में निवेश करने वालों को मिला शानदार रिटर्न

आफर फार सेल वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया

नई दिल्ली

जनवरी से अगस्त 2023 के दौरान शेयर बाजार में कम मूल्यांकन वाले आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। जिन कंपनियों ने नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई, वहां निवेशकों को खास तौर पर दीर्घकालिक फायदा मिला, जबकि अधिक मूल्यांकन वाले और आफर फार सेल (ओएफएस) वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया।

इस साल कम कीमत वाले आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार फायदा हुआ है, खासकर जब आईपीओ से जुटाई गई रकम सीधे कंपनी के पास गई हो, न कि मौजूदा शेयरधारकों के पास। कैपिटालाइन और प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 20 गुना से कम प्राइस टू अर्निंग (पीई) अनुपात वाले 12 आईपीओ ने 29 सितंबर तक औसतन 45.4 फीसदी का रिटर्न दिया। इनमें से नौ आईपीओ ने मुख्य रूप से नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई थी और उन्होंने औसतन 51.3 फीसदी रिटर्न दिया।

इन शेयरों में ज्यादातर बहुत सूचीबद्धता के बाद हुई, जो औसतन 5.3 फीसदी प्रीमियम पर



खुले और तब से सूचीबद्धता के दिन के बंद भाव से औसतन 35.2 फीसदी ऊपर चढ़े हैं। पाईपर सेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि ज्यादा वैल्यूएशन वाली लिस्टिंग और केवल ओएफएस वाले आईपीओ में निवेशकों के लिए कमाई की गुंजाइश कम बचती है। इसके विपरीत, जिन इश्यू की कीमत कमाई का 30-50 गुना थी, उन्होंने सबसे ज्यादा औसत रिटर्न (58.8 फीसदी) दिया, लेकिन उनका अधिकांश फायदा लिस्टिंग के दिन ही मिल गया। लिस्टिंग के बाद उनमें केवल 10.5

फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, 100 गुना से अधिक कीमत वाले तीन इश्यू ने औसतन सबसे कम 20.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें 133.2 गुना कीमत वाला लीप इंडिया का शेयर अपनी पेशकश कीमत से 13.5 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है। टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स (19.4 गुना पीई) जैसे कम पाई वाले इश्यू ने 127.1 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। यह दशांत है कि दीर्घकालिक निवेश के लिए कम पाई वाले और कंपनी में पूंजी लाने वाले आईपीओ अधिक फायदेमंद साबित हुए हैं।

त्योहारों की आहट से सरसों-सोयाबीन तेज, मूंगफली-पाम नरम

बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली

बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। एक ओर त्योहारी मांग और उपलब्धता की कमी ने सरसों तथा सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में सुधार लाया, वहीं दूसरी ओर नई फसलों की आवक और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के दबाव ने मूंगफली, बिनोला और पाम तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की।

बाजार सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह कच्ची घानी मिलों की बढ़ती मांग और आगामी त्योहारों के मद्देनजर बढ़ी उपभोक्ता मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन के दाम में मजबूती आई। इसी तरह स्थानीय त्योहारी मांग और बढ़े प्लांट मालिकों की



ओर से अच्छी खरीद के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम भी सुधार के साथ बंद हुए।

हालांकि, अधिक आयात के कारण सोयाबीन तेल अब भी अपनी लागत से 2-3 रुपये प्रति किलो

कम पर बिक रहा है। इसके उलट मूंगफली तेल-तिलहन और बिनोला तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण नई फसलों की बढ़ती आवक रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया और इंडोनेशिया में पाम तेल का स्टॉक बढ़ने से वायदा कारोबार में दाम टूटे, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में भी पाम-पामोलीन तेल की कीमतें नरम रहीं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये के सुधार के साथ 8,400-8,450 रुपये प्रति किंवटल, सरसों तेल दादरी 300 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये प्रति किंवटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,765-2,865 रुपये और 2,765-2,915 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लुज का थोक भाव क्रमशः 100-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,750-5,850 रुपये प्रति किंवटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल

100 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति किंवटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,000 रुपये प्रति किंवटल पर बंद हुआ। सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति किंवटल पर बंद हुआ। नई फसल की आवक बढ़ने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 7,400-7,850 रुपये प्रति किंवटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये किंवटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाईंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,605-2,905 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोपीओ तेल का दाम 25 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 13,425 रुपये प्रति किंवटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,350 रुपये प्रति किंवटल तथा पामोलीन एक्स कांडोला तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये प्रति किंवटल पर बंद हुआ।



न्यूज़ ब्रीफ

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास: एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय बने

नगोया। भारतीय क्रिकेट टीम के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण



पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य बने हैं। इसी के साथ ही वैभव ने निशानेबाज सौरभ चौधरी के 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में बनाए गए

सबसे कम उम्र में स्वर्ण जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सौरभ ने तब 16 साल, 3 महीने और 9 दिन की उम्र में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 6 दिन की उम्र में उपलब्धि हासिल की है। पुरुष टी20 क्रिकेट फाइनल में भारतीय टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रय ओवरों में 211 रनों का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने केवल 9 गेंदों पर ही 15 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। भारतीय पारी को आगे बढ़ाते हुए अतिथेक ने केवल 28 गेंदों पर 61 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने सिर्फ 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर स्कोर को विशाल स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद पाक टीम हसन नवाज के 51 गेंदों पर 96 रनों की तेज पारी के बाद भी 192 रन ही बना सकी और भारतीय गेंदबाजों ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 19 रनों से मुकाबला जीतकर टीक को स्वर्ण जिताया। एशियाई खेलों में देश के लिए सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों की सूची में भी कुछ युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 7 दिन (लगभग) की उम्र में 2026 एश्वी-नागोया एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद: 2027 विश्व कप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप, जिसे दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ मिलकर होस्ट करेगा, देश के क्रिकेटर्स की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया

कि कैसे 2003 में देश में हुए एशियन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया था। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक 50 ओवर के इस मेगा इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। डिविलियर्स ने एक विशेष चेत में बताया, 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। मुझे याद है कि यूनिवर्सिटी आफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग विलेनज में एग्म मिलक्रिस्ट ने मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया था। तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 2027 वर्ल्ड कप का भी दक्षिण अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं। डिविलियर्स ने इस आयोजन के आर्थिक लाभों और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर भी जोर दिया, साथ ही उम्मीद जताई कि प्रोटियाज टीम इस बार बेहत्र प्रदर्शन करेगी, क्योंकि 2003 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था।

लीजेंड्स लीग 2026 में युवराज की आक्रामक पारी से इंडिया चैंपियंस ने आस्ट्रेलिया चैंपियंस को हराया

शारजाह। पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह की आक्रामक पारी से यहां इंडिया चैंपियंस की टीम ने पूर्व क्रिकेटर्स की लीजेंड्स लीग 2026 में आस्ट्रेलिया चैंपियंस को 46 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए युवराज के 71 रनों की पारी से इंडिया चैंपियंस ने 20

ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम 16.2 ओवर में 150 रन पर ही रिमूट गयी। इस मैच में 44 वर्षीय युवराज ने अपने चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए आस्ट्रेलिया चैंपियंस को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं 44 साल के युवराज ने इस मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से साबित कर दिया कि वलास हमेशा के लिए रहती है। इस मैच में टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंबाती रायडू और स्टुअर्ट ब्रिन्नी पहले पांच ओवरों में ही आउट हो गये। जिससे टीम शुरुआती दबाव में आ गई। ऐसे कठिन समय में कप्तान युवराज सिंह कीज पर आए और उन्होंने नमन ओझा के साथ मिलकर पारी को संभाला। युवराज ने आते ही अपने आक्रामक खेल से सभी का खासा मनोरंजन किया। दोनों ने मिलकर 30 गेंदों पर 42 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने भारतीय पारी को शुरुआती झटकों से उबार। नमन के आउट होने के बाद कीज पर आए युसुफ पटान के साथ मिलकर युवराज ने मैदान के चारों तरफ चौंके-छक्कों की बरसात कर दी।



विश्व कप 2027 में हार्दिक पंड्या अहम, सौरव गांगुली ने बताया टीम संतुलन का बड़ा आधार

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 2027 के वनडे विश्व कप को लेकर टीम इंडिया के संयोजन पर अहम बात कही है। गांगुली के मुताबिक आलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे और उन्हें विश्व कप तक फिट व मैच के लिए तैयार रखना मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा टीम प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती होगी।

आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार 2027 का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। हार्दिक पंड्या भारत की ओर से 2019

और 2023 वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। 2023 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में मुकाबले के दौरान उन्हें टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह आगे के टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

गांगुली का मानना है कि हार्दिक को मौजूदगी से भारत को बल्लेबाजी के साथ अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प भी मिलता है और दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में यह टीम संयोजन के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है। गांगुली ने कहा कि हार्दिक के चोटिल होने की स्थिति में नितीश कुमार रेड्डी विकल्प हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें विश्व कप से पहले

लगातार वनडे क्रिकेट खेलाना होगा।

उन्होंने रवींद्र जडेजा को भी एक विकल्प बताया। गांगुली के अनुसार दक्षिण अफ्रीका में अक्टूबर के दौरान टीम को सीम गेंदबाजी करने वाले आलराउंडर की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में नियमित गेंदबाजी विकल्प सीमित हैं। ऐसे में पांचवें या छठे गेंदबाजी विकल्प के लिए टीम प्रबंधन को सही खिलाड़ी तलाशना होगा। 2027 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केपटाउन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद 10 अक्टूबर को

जोहान्सबर्ग में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। भारत 14 अक्टूबर को अफगानिस्तान, 17 अक्टूबर को क्वालिफायर ए और 24 अक्टूबर को जिम्बाब्वे से खेलेगा। गांगुली ने भारत के आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबले को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबले से शुरुआत होने पर टीम को शुरुआत से ही मजबूत संयोजन के साथ उतरने का मौका मिलेगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को भी मौजूदा समय की मजबूत टीमों में शामिल बताया और वहां होने वाले विश्व कप में दर्शकों के उत्साह को लेकर सकारात्मक बात कही।

एशियाई खेलों में भारत ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ चौथे स्थान पर रहा



21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीते

नगोया

एशियन खेलों 2026 में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 85 पदक जीतने के साथ ही चौथा स्थान हासिल किया है। भारतीय टीम ने कुल 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया को फाइनल में 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष क्रिकेट टीम ने खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण पदक जीता। रखा। तीरंदाजी में भी भारत ने इतिहास रचा। युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद ने

महिलाओं के व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भारत को पहला ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने शूट-आफ में दक्षिण कोरिया की ओह यंजिन को 6-5 से हराया और 2028 ओलंपिक के लिए व्यक्तिगत कोटा स्थान भी सुरक्षित किया। इसकेअ अलावा पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व में नीरज चौहान ने हमवतन धीरज बोम्मेदेवरा को हराकर कांस्य पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजी के लिए यह एक यादगार दिन बन गया। नीरज एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले तरुणदीप राय के बाद दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बने हैं।

वहीं कुश्ती में अमन सहरावत ने

पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में उत्तर कोरिया के विश्व चैंपियन चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जो इस संस्करण में कुश्ती का दूसरा स्वर्ण था। वहीं, महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में अंतिम पंथाल को जापान की मेई मियोका से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि दीपक पूनिया ने 97 किग्रा वर्ग में मंगोलिया के गांखुयांग गनबातर को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

दूसरी ओर गोल्फ में प्रणवी उर्स ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। उन्होंने 15-अंडर 265 के स्कोर के साथ चीन

की यिन रुओनिंग को एक स्ट्रोक से पछाड़ दिया। उनकी शानदार जीत ने महिला टीम को रजत पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई, जिसमें अर्दिति अशोक और दीक्षा डामर शामिल थीं। यह एशियाई खेलों के गोल्फ में भारत का 44 वर्षों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज हुआ।

भारत ने एथलेटिक्स में सबसे अधिक 24 पदक हासिल किए, जिनमें 1 स्वर्ण, 9 रजत और 14 कांस्य शामिल हैं। इसके बाद शूटिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 15 पदक जीते, जिनमें 3 स्वर्ण, 8 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं। तीरंदाजी में कुल 9 पदक आए हैं, जिनमें 5 स्वर्ण हैं।

टीम इंडिया अब वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी



मुम्बई। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को अब वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी ही धरती पर भारतीय टीम को खेला है फिर उसके बाद उसे टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड जाना है। टीम को अगले 26 दिनों में 10 कठिन मुकाबले खेलने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज की शुरुआत मंगलवार से होगी। इस सीरीज का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर, 2026 को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीमें रांची (9 अक्टूबर, 2026 को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम काम्लेवसा), इंदौर (11 अक्टूबर, 2026 को होलकर स्टेडियम), हैदराबाद (14 अक्टूबर, 2026 को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम) और बंगलुरु (17 अक्टूबर, 2026 को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम) में मुकाबले होंगे। परंतु परिस्थितियों से मिलने वाले लाभ को देखते हुए भारतीय टीम इस सीरीज में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ बंगलुरु में 17 अक्टूबर, 2026 को पांचवां टी20 मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम न्यूजीलैंड के दौरे के लिए रवान होगी।

नई दिल्ली

हाल ही में भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने गुवाहाटी वनडे में 405 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान भारत ने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। वनडे क्रिकेट में पहली बार वेस्टइंडीज की टीम ने 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया, और यह सिर्फ दूसरी बार हुआ जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा के टारगेट को सफलतापूर्वक हासिल किया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद, आइए जानते हैं वनडे क्रिकेट के इतिहास में दर्ज 5 सबसे बड़े स्कोर, जिनमें इंग्लैंड का दबदबा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है और भारत की टीम टॉप-5 में शामिल नहीं है। इस सूची में सबसे ऊपर इंग्लैंड की टीम है, जिसने साल 2022 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 498 रन बनाए थे। यह वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। इस मैच में इंग्लैंड की तरफ से फिल साल्ट (122), डेविड मलान (125) और जोस बटलर (नाबाद 162) ने



शतक लगाए थे, जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने ताबड़तोड़ नाबाद 66 रन ठोके। जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 266 रनों पर सिमट गई थी

और इंग्लैंड ने यह मैच 232 रनों के भारी अंतर से जीता था।

वनडे इतिहास के दूसरे सबसे बड़े टोटल का

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 नेक्स्ट सूची में शामिल किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर भविष्य को आकार देने वाले 100 उभरते हुए सितारों को पहचानती है। महज 15 साल की उम्र में इस सूची में जगह बनाने वाले वैभव सबसे युवा व्यक्ति हैं और दुनियाभर से चुने गए केवल सात एथलीटों में इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय प्रदर्शन का प्रमाण है जिसने उन्हें इतनी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। टाइम मैगजीन की सीईओ जैसिका सिब्ले ने इस सूची के बारे में बताया कि इस साल के लिस्ट-निर्माता सीमाओं को पार कर रहे हैं, नई संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं और अपने क्षेत्रों तथा समुदायों को आगे बढ़ा रहे हैं। फेनोम श्रेणी में शामिल भारतीय टीम इस सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को तेजी से वैश्विक खेल के सबसे रोमांचक और ऊर्जावान चेहरों में से एक बताया है। उनकी निरंतर सफलता और रिकार्ड-तोड़ प्रदर्शन ने उन्हें क्रिकेट जगत में एक चमकता सितारा बना दिया है।

वैभव को यह अद्भुत यात्रा 2024 में शुरू हुई



राजस्थान रायल्स ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन किया, सात पारियों में कुल 252 रन बनाए, जिसमें गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में खेली गई तूफानी शतकीय पारी भी शामिल थी, जो उस समय आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। अपने दूसरे सीजन में उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया, एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बटोरें और सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में कुल

थी, जब उन्होंने सिर्फ 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में अपना पेशेवर क्रिकेट डेब्यू किया और प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले

सबसे कम उम्र के भारतीयों में से एक बन गए। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, आईपीएल 2025 सीजन से पहले राजस्थान रायल्स ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन किया, सात पारियों में कुल 252 रन बनाए, जिसमें गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में खेली गई तूफानी शतकीय पारी भी शामिल थी, जो उस समय आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। अपने दूसरे सीजन में उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया, एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बटोरें और सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में कुल

72 छक्के जड़े, जिससे उन्होंने टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के पिछले रिकार्ड को 20 छक्कों के अंतर से पीछे छोड़ दिया।

उनकी इस शानदार फार्म का सिलसिला यहीं नहीं थमा। जुलाई में मेनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर वैभव ने भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इस पंद्रह वर्षीय खिलाड़ी ने भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बनकर महान सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकार्ड को तोड़ दिया। इसके बाद से उन्होंने छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 193 रन बनाए हैं। वह जापान में आयोजित होने वाली भारत की एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम का भी हिस्सा हैं। सीनियर क्रिकेट के अपने केवल तीसरे सीजन में, इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने अन्य प्रारूपों में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है।

जून में कोलंबो में श्रीलंका ए के खिलाफ भारत ए की त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के दौरान वैभव ने केवल 11 गेंदों में सबसे तेज लिस्ट ए अर्धशतक बनाकर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया।

शतक के बाद 92 रन, विश्वकप के पहले पुराने रंग में लौटे रोहित शर्मा



नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला लगातार बड़ी पारियां खेल रहा है। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 52 रन बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 12 ओवर में 76 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

इसके बाद गुवाहाटी में 405 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने 75 गेंदों में 101 रन की आक्रामक पारी खेली। इस मुकाबले में रोहित और गिल के बीच पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी हुई। मुल्लांपुर में गिल और कोहली के जल्दी आउट होने के बाद रोहित ने परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी का अंदाज बदल। उन्होंने रिंगला के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर रन गति बढ़ाई। 192 रन पर उनका विकेट गिरने से शतक जरूर छूट गया, लेकिन उनकी पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

39 वर्ष की उम्र में रोहित का लगातार बड़ी पारियां खेलना उनके वनडे करियर को लेकर जारी चर्चाओं के बीच महत्वपूर्ण है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार



चाहे ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलैनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गारे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बढ़तना शुरू हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

भोजन बनाते समय की मानसिकता...



अन्न को ब्रह्म कहा गया है। इसका निरादर देवता का अपमान है। इसलिए अन्न को भोजन के रूप में तैयार करने की प्रक्रिया भी पूजा-अर्चना से कम नहीं है। अन्न के खेतों से थाली तक पहुँचने की यात्रा में कई पड़ाव हैं। कमाने, पकाने, परोसने और खाने वाले व्यक्तियों की मानसिकता अन्न के पोषक तत्वों को प्रभावित करती है। रसोई बनाने वाला इस प्रसंग का सूत्रधार है। खाना बनाते समय उसकी मानसिकता क्या है, खाने वाले के प्रति उसकी भावनाएं अच्छी हैं या नहीं इन सबका प्रभाव भोजन पर होता है। अगर उसे भोजन बनाने का काम मुसीबत नजर आता है, अगर उसे भरपेट भोजन नहीं मिलता है तो निश्चित रूप से भोजन में नकारात्मक तरंग पैदा होंगे। अच्छे से अच्छा व्यंजन भी अपाय्य बन जाएगा।

सितंबर के मुख्य त्योहार...

- सितंबर को स्नान दान आदि की भाद्रप्रद की अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, शिटीरी अमावस।
- सितंबर को भाद्रप्रद शुक्ल पक्ष प्रारंभ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश (प्राचीन परम्परा अनुसार)।
- सितंबर रविवार को हरि तालिका तृतीया, गौरी तृतीया, श्री वाराह अवतार जयंती, सामवेदि उपार्कम, मुसलमानों महीना जिल्हिका शुरु, श्री गुरु रामदास जी का ज्योति ज्योत समाए दिवस।
- सितंबर सोमवार को सिद्धि विनायक श्री गणेश चतुर्थी व्रत, कलंक चौथ यानी पथर चौथ। इस दिन चंद्रमा को न देखने का विधान है।
- सितंबर मंगलवार को ऋषि पंचमी, श्री दंडी स्वामी जी महाराज श्री शंकराश्रम जी महाराज का निर्वाण दिवस।
- सितंबर गुरुवार मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, 16 दिनों के श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ।
- सितंबर रविवार को साय 5 बजकर 5 मिनट पर गुरु (तारा) पश्चिम में अस्त और 7 अक्टूबर को उदय होगा। 13 सितंबर मंगलवार को पदमा एकादशी व्रत, फूल डोल महोत्सव, श्री वामन अवतार जयंती वामन द्वादशी।
- सितंबर गुरुवार अनंत चतुर्दशी व्रत, अनंत चौदश मेला बाबा सोडल जी (जालंधर, पंजाब), कदली व्रत।

दुःख, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती हैं। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव मे अपने होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या है दुःख से मुक्ति का उपाय? इस आलेख में हम यही जानेंगे।

जीवन के सुख-दुःख को देखने का हमारा चरमा अलग-अलग होता है। दूसरों के सुख बड़े लगते हैं तो अपने दुःख भी बड़े। अपने छोटे से छोटे दुःख को गाने की ऐसी लत लगती है कि मानो एक हम ही हैं जो दुखों को झेल रहे हैं। बात यहीं तक नहीं रुकती, हम केवल यह नहीं चाहते कि लोग हमारे दुःख को सुनें, हम उनकी सहानुभूति का फायदा भी उठाना चाहते हैं। अपने दुखों की आड़ में अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं। मैंने जिंदगी देखी है..., तुम्हें क्या पता दुख क्या होता है..., मेरी किस्मत में सुख कहा..., ऐसी ही कई बातें कहते हुए हम बिल्कुल दार्शनिक हो जाते हैं। ऐसे ज्ञानी, जिन्हें अपना राई बराबर दुःख पहाड़ नजर आता है।

हो सकता है कि आपके पास संसाधनों की कमी हो, बीमारी या परिवार की उपेक्षा झेल रहे हों, पर यह सच है कि संघर्ष सबके जीवन में होता है। लेकिन व्यक्ति के सहने की क्षमता और प्रवृति के आधार पर इसका अनुभव हर किसी को अलग होता है। अपने दुःख दूसरों को बताना मन की सेहत के लिए अच्छा होता है। पर उसकी नुमाइश करना या अपने दुःख से लाभ कमाने की कोशिश करना, व्यक्तित्व की कमजोरी है। मन की हीनता और दुर्बलता है। यह दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की प्रवृत्ति है।

नमक जैसा है दुःख

एक बूढ़ा जेन मास्टर अपने शिष्य की शिकायत करने की आदत से परेशान था। एक सुबह उन्होंने शिष्य को कुछ नमक एक गिलास पानी में मिलाकर पीने को दिया। मास्टर ने पूछा- कैसा है यह? शिष्य ने कहा, यह कड़वा तग रहा है, इसे पीना असंभव है। इसके बाद वे दोनों झील के किनारे गए। मास्टर ने उतना ही नमक झील के पानी में डाल दिया। शिष्य को फिर पानी पीने के लिए कहा और पूछा कि अब ये कैसा तग रहा है? शिष्य ने कहा, ये पानी बिल्कुल ताजा है। इसमें नमक का पता ही नहीं चल रहा। मास्टर ने कहा, जीवन में दुःख भी नमक की तरह है। इसकी मात्रा भी समान ही है। पर इसकी कड़वाहट निभर करती है कि हमने इसे किस बर्तन में डाला है। जब दुःख ही तो शिकायत की जगह अपने नजरिए को बड़ा कर लेना चाहिए।

दुखों की निरंतर चर्चा करना हमें अपने नकारात्मक अनुभवों से बाहर नहीं आने देता। हमें हर छोटी सी समस्या बड़ी दिखती है। हर समय दिमाग अतीत की गलियों घुमता रहता है। ऐसे में जितना हम अपने दुख दूसरों के सामने रखते है, उतने ही नकारात्मकता और दुखों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है की जिंदगी का रोना भी कोई रोना है, जिंदगी रोककर काटो या हंसकर वह तो कट ही जाती है। सुख और दुःख जिंदगी के खेल है। इन्हें खेल की तरह खेलते ह्यु चलने का नाम ही जिंदगी है। अगर दुखों को नजरंदज न किया जाए तो जीना मुश्किल हो जाता है। दुःख का प्रत्यक्ष रूप से जितना बड़ा दिखाई देता है अंदर से वह उतना ही खोखला और कमजोर होता है। अगर विचारो को मजबूत बनाकर रखा जाए तो दुःख हवा के झोखे के साथ गायब होने वाले पानी के बुलबुलों की तरह होते है। दुख, तकलीफ, आपदाएं इंसान की जिंदगी के साथ जुड़ी हुई ऐसी अप्रसंगिक घटनाएं हैं जो क्षति पहुंचाकर हमें विचलित कर देती है। कभी कभी तो अविवेकी इंसान सहनशक्ति के अभाव में होश खो बैठता है। मुसीबतों को टालने की कोशिश करते हुए भी हमारा मन विचलित हो ही उठता है। आगे बढ़ने के सारे दरवाजे बंद होते देखकर सिर पकड़ कर बैठने के सिवाए कोई ओर रास्ता नजर नहीं आता। आखिर ऐसा क्यों होता है? कारण यह है की हमारी नकारात्मक सोच और चिंतन हम पर हावी हो जाते है। कहते है की इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है। अगर सोच सकारात्मक होगी तो दुःख में भी कही न कही सुख की अनुभूति होगी।

विकारों से बचें

व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनवाही के न होने पर, मनवाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गाँठ बांधने लगते है। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनावाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गाँठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकत्तां के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनवाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।

किसी और काम में लग जाएं

कैसे हम विषम परिस्थितियों के पैदा होने पर अंधप्रतिक्रिया न दें? कैसे हम तनावग्रस्त न होकर अपने मन को शांत व संतुलित रख सकें? भारत एवं भारत के बाहर कई ऐसे संत पुरुष हुए जिन्होंने इस समस्या के, मानवी जीवन के दुःख की समस्या के, समाधान की खोज की। उन्होंने उपाय बताए- जब कोई अनचाही के होने पर मन में क्रोध, भय अथवा कोई अन्य विकार की प्रतिक्रिया आरंभ हो तो जितना जल्द हो सके उतना जल्द अपने मन को किसी और काम में लगा दो। उदाहरण के तौर पर, उठो, एक गिलास पानी लो और पानी पीना शुरू कर दो-आपका गुस्सा बढेगा नहीं, कम हो जायेगा। अथवा गिनती गिननी शुरू कर दो-एक, दो, तीन, चार। अथवा कोई शब्द या मंत्र या जप या जिसके प्रति तुम्हारे मन में श्रद्धा है ऐसे किसी देवता का या संत पुरुष का नाम जपना शुरू कर दो। मन किसी और काम में लग जाएगा और कुछ हद तक तुम विकारों से, क्रोध से मुक्त हो जाओगे। लेकिन यह उपाय केवल मानस के उपरी सतह पर ही काम करता है। वस्तुतः हमने विकारों को अंतर्मन की गहराइयों में दबा दिया, जहां उनका प्रजनन एवं संवर्धन चलता रहा। मानस के उपर शांति एवं सौमनस्यता का एक लेप लग गया लेकिन मानस की गहराइयों में दबे हुए विकारो का सुप्त ज्वालामुखी वैसा ही रहा, जो समय पाकर फूट पड़ेगा।



गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को जोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

दुःख से मुक्ति...



दुःख को दूर करने के लिए पहले हम यह जान लें कि हम अशांत और बेचैन क्यों हो जाते हैं। गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब हमारा मन विकारों से विकृत हो उठता है तब वह अशांत हो जाता है। हमारे मन में विकार भी हो और हम सुख एवं सौमनस्यता का अनुभव करें, यह संभव नहीं है। ये विकार क्यों आते है, कैसे आते है? फिर गहराई से ध्यान देने पर साफ मालूम होगा कि जब कोई

व्यक्ति हम से मनचाहा व्यवहार नहीं करता उसके अथवा किसी अनचाही घटना के प्रतिक्रियास्वरूप आते हैं। अनचाही घटना घटती है और हम भीतर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मनवाही के न होने पर, मनवाही के होने में कोई बाधा आ जाए तो हम तनावग्रस्त होते हैं। हम भीतर गाँठ बांधने लगते है। जीवन भर अनचाही घटनाएं होती रहती हैं, मनावाही कभी होती है और जीवन भर हम प्रतिक्रिया करते रहते हैं, गाँठे बांधते रहते हैं। हमारा पूरा शरीर एवं मानस इतना विकारों से, इतना तनाव से भर जाता है कि हम दुखी हो जाते हैं। इस दुख से बचने का एक उपाय यह कि जीवन में कोई अनचाही होने ही न दें, सब कुछ मनचाहा ही हों। या तो हम ऐसी शक्ति जगाए, या और कोई हमारे मददकत्तां के पास ऐसी ताकद होनी चाहिए कि अनचाही होने न दें और सारी मनचाही पूरी हो। लेकिन यह असंभव है। विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है, जिसके जीवन में मनवाही ही मनचाही होती है, और अनचाही कभी भी नहीं होती। जीवन में अनचाही होती ही है।



आयुर्वेदिक उपायों से करें

नकसीर का इलाज



नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनियाँ के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में

- मिलाकर चूरा बना लें और उसमें से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभीरी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।



समस्या का सामना करें

भीतर के सत्य की खोज करने वाले कुछ वैज्ञानिकों ने देखा कि मन को और काम में लगाना यानी समस्या से दूर भागना है। पलायन सही उपाय नहीं है, समस्या का सामना करना चाहिए। मन में जब विकार जागेगा, तब उसे देखो, उसका सामना करो। जैसे ही आप विकार को देखना शुरू कर दोगे, वह क्षीण होता जाएगा और धीरे धीरे उसका क्षय हो जाएगा। यह अस्त्र उपाय है। दमन एवं खुली छूट की दोनों अतियों को टालना है। विकारों को अंतर्मन की गहराइयों में दबाने से उनका निर्मूलन नहीं होगा। और विकारों को अकुशल शारीरिक एवं वाचिक कर्मों द्वारा खुली छूट देना समस्याओं को और बढ़ाना है। लेकिन अगर आप केवल देखते रहेंगे, तो विकारों का क्षय हो जाएगा और आपको उससे छुटकारा मिलेगा।

विकारों से सामना आसान नहीं

अपने विकारों का सामना करना आसान नहीं है। जब क्रोध जागता है, तब इस तरह सिर पर सवार हो जाता है कि हमें पता भी नहीं चलता। क्रोध से अभिभूत होकर हम ऐसे शारीरिक एवं वाचिक काम कर जाते है जिससे हमारी भी हानि होती है, औरों की भी। जब क्रोध चला जाता है, तब हम रोते हैं और पछतावा करते हैं, इस या उस व्यक्ति से या भगवान से क्षमायाचना करते हैं- हमसे भूल हो गई, हमें माफ कर दो। लेकिन जब फिर वैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ता है तो हम वैसी ही प्रतिक्रिया करते हैं। बार-बार पश्चाताप करने से कुछ लाभ नहीं होता। हमारी कठिनाई यह है कि जब विकार जागता है तब हम होश खो बैठते हैं। विकार का प्रजनन मानस की तलस्पर्शी गहराईयों में होता है और जब तक वह उपरी सतह तक पहुंचता है तो इतना बलवान हो जाता है कि हम पर अभिभूत हो जाता है। हम उसको देख नहीं पाते। जब भी मन में कोई विकार जागे तो शरीर पर दो घटनाएं उसी वस्तु शुरू हो जाती हैं। एक, सांस अपनी नैसर्गिक गति खो देता है। जैसे मन में विकार जागे, सांस तेज एवं अनियमित हो जाती है। यह देखना बड़ा आसान है। सूक्ष्म स्तर पर शरीर में एक जीवरासायनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप संवेदनाओं का निर्माण होता है। हर विकार शरीर पर कोई न कोई संवेदना निर्माण करता है।

आत्मनिरीक्षण की विद्या

है और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते है। अपने दुःख का कारण हमेशा बाहर ढूँढते है। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते हैं। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते है कि हमारे दुख का कारण भीतर है, वह है सुखद एवं दुखद संवेदनाओं के प्रति अंध प्रतिक्रिया। हम सांस को भी जान सकते है और भीतर क्या हो रहा उसकी भी। सांस हो या संवेदना, हम उसे मानसिक संतुलन खोए बिना देख सकते हैं। प्रतिक्रिया बंद होती है तो दुःख का संवर्धन नहीं होता। उसके बजाय, विकार उभर कर आते है और उनकी निर्जला होती है, क्षय होता है। जैसे जैसे हम इस विद्या में पकते चले जाय, विकार शीघ्रता के साथ क्षय होने लगते हैं। धीरे धीरे मन विकारों से मुक्त होता है, शुद्ध होता है। शुद्ध चित हमेशा प्यार से भरा रहता है-सबके प्रति मंगल मैत्री, औरों के अभाव एवं दुखों के प्रति करुणा, औरों के यश एवं सुख के प्रति मुदिता एवं हर स्थिति में समता।

लगातार प्रयास जरूरी

एक सामान्य व्यक्ति अमूर्त विकारों को नहीं देख सकता—अमूर्त भय, अमूर्त क्रोध, अमूर्त वासना आदि। लेकिन उचित प्रशिक्षण और प्रयास करेगा तो आसानी से सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाओं को देख सकता है। दोनों का ही मन के विकारों से सीधा संबंध है। सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदद करेगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा, वह हमें बतायेगा—कुछ गड़बड़ है! और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते हैं। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू है। एक तरफ मन में जागने वाले विचार एवं विकार हैं और दूसरी तरफ सांस एवं शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। पलायन नहीं कर रहे, विकारों के आमुख होकर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। शीघ्र ही हम देखेंगे कि ऐसा करने पर विकारों की ताकत कम होने लगी, पहले जैसे वे हम पर अभिभूत नहीं होते। हम अभ्यास करते रहे तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। विकारों से मुक्त होते हम सुख एवं शांति का जीवन जीने लग जाएंगे।

खुद को जानना जरूरी:आवश्यक है, खुद को जानना, जो कि हर संत पुरुष की शिक्षा है। केवल कल्पना, विचार या अनुमान के बौद्धिक स्तर पर नहीं, भावुक होकर या भविष्यभाव के कारण नहीं, जो सुना या पढ़ा उसके प्रति अभिमान्यता के कारण नहीं। ऐसा ज्ञान किसी काम का नहीं है। हमें सच्चाई को अनुभव के स्तर पर जानना चाहिए। शरीर एवं मन के परस्पर संबंध का प्रत्यक्ष अनुभव होना चाहिए। इसी से हम दुःख से मुक्ति पा सकते हैं। अपने बारे में इस क्षण का जो सत्य है, जैसा भी है उसे ठीक वैसा ही, उसके सही स्वभाव में देखना समझना जरूरी है। भगवान बुद्ध ने यही सिखाया—जीवन जीने की कला। उन्होंने किसी स्रावदाय की स्थापना नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों को मिश्रा कर्म-कांड नहीं सिखाए। बल्कि, उन्होंने भीतर की नैसर्गिक सच्चाई को देखना सिखाया। हम अज्ञाननश प्रतिक्रिया करते रहते हैं, अपनी हानि करते हैं औरों की भी हानि करते हैं। जब सच्चाई को जैसी-है-वैसी देखने की पड़ा जागृत होती है तो यह अंध प्रतिक्रिया का स्वभाव दूर होता है। तब हम सही क्रिया करते हैं—ऐसा काम जिसका उगम सच्चाई को देखने और समझने वाले संतुलित चित में होता है। ऐसा काम सकारात्मक एवं सुज्ञानात्मक होता है, आत्महितकारी एवं परहितकारी।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुसीर पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडिफायर से वातावरण को नम रखे जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गिला तीलियां अपने सर पर रखें से भी नकसीर में लाभ मिलता है।